■ श्रावण कृष्ण - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 5 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 27-07-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारत को खेल महाशक्ति बनाने के लिए हमें और नायक बनाने की जरूरत है : विजेंदर सिंह

6 रोजगार के मोर्चे पर गंभीर कदम उठाने की जरूरत

7 फिल्म 'महारागिनी' में एक्शन अवतार में नजर आएंगी काजोल

फर्स्ट टेक

एप्पल ने आईफोन की कीमतों में 6,000 रुपए तक की कटौती की

नई दिल्ली/भाषा। बजट में मोबाइल फोन पर आयात शुल्क कम करने की घोषणा के बाद दिग्गज स्मार्टफोन

विनिर्माता एप्पल ने भारत में आईफोन की कीमतें 6,000 रुपये तक घटा दी हैं। एप्पल की तरफ से जारी नवीनतम कीमत सूची के मुताबिक, आयातित आईफोन प्रो मॉडलों की कीमत में 5,100-6,000 रुपये की कटौती कर दी गई है। एप्पल पहले आईफोन 15 प्रो को 1,34,900 रुपये और आईफोन 15 प्रो मैक्स मॉडल को 1,59,900 रुपये की शुरुआती कीमत पर बेच रही थी। भारतीय ग्राहकों के लिए 128 जीबी स्टोरेज वाले आईफोन प्रो मॉडल की कीमत 3.7 प्रतिशत की कटौती के बाद 1,29,800 रुपये होगी। इसी के साथ 256 जीबी स्टोरेज वाले आईफोन प्रो मैक्स की कीमत 1,59,900 रुपये से घटकर 1,54,000 रुपये हो गई है। इसके साथ एप्पल ने आईफोन के भारत में विनिर्मित 13, 14 और 15 शृंखला वाले आईफोन की कीमतों में भी 300 रुपये की कमी की है जबकि आईफोन एसई मॉडल 2,300 रुपये सस्ता हो गया है।

व्हाट्सऐप की भारत में अपनी सेवाएं बंद करने की योजना नहीं : वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि व्हाट्सऐप और उसकी मूल कंपनी मेटा ने भारत में अपनी सेवाएं बंद करने की किसी योजना के बारे में सरकार को सूचित नहीं किया है। वैष्णव ने कांग्रेस सदस्य विवेक तन्खा के एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। मंत्री के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि व्हाट्सऐप या मेटा ने सरकार को ऐसी किसी योजना के बारे में सूचित नहीं किया है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 670.86 अरब डॉलर के नए उच्च स्तर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 जुलाई को समाप्त सप्ताह में चार अरब डॉलर उछलकर 670.86 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले 12 जुलाई को समाप्त सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 9.69 अरब डॉलर बढ़कर 666.85 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर चला गया था।

सूर्यास्त 27-07-2024 6:48 बजे	सूर्योदय 28-07-2024 6:04 बजे
BSE 81,332.72 (+1,292.92)	NSE 24,834.85 (+428.75)
सोना 7,076 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 83,654 रु. प्रति किलो

श्रद्धांजलि

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर कारगिल युद्ध में भारत की जीत की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

कांवड़ यात्रा मार्गों पर

'नाम' प्रदर्शित करने के आदेश पर उच्चतम न्यायालय ने पांच अगस्त तक बढ़ाई रोक

■ **पीठ ने कहा कि अगर कोई स्वेच्छा से ऐसा करना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है, लेकिन कोई जोर नहीं देना चाहिए**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर खाद्य पदार्थों के विक्रेता, होटल मालिकों को अपने और अपने यहां काम करने वाले अन्य कर्मचारियों के नाम सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश पुलिस समेत अन्य के आदेश पर रोक शुक्रवार को पांच अगस्त तक बढ़ा दी।

न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने 'नाम' प्रदर्शित करने के आदेशों की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद रोक बढ़ाने संबंधी आदेश पारित करते हुए कहा कि यदि कोई स्वैच्छिक रूप नाम प्रदर्शित करना चाहे, तो ऐसा कर सकता है।

पीठ ने स्पष्ट किया कि पिछला आदेश (22 जुलाई) किसी को भी मालिकों और कर्मचारियों के नाम स्वेच्छा से प्रदर्शित करने से नहीं रोकता है।

पीठ ने कहा, अगर कोई स्वेच्छा से ऐसा करना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है, लेकिन कोई जोर नहीं देना चाहिए।

शीर्ष अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के एसएसपी द्वारा 17 जुलाई को जारी निर्देश का बचाव करने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के जवाबी हलफनामे पर अपना (याचिकाकर्ता का) जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा।

सिंघवी ने दलील देते हुए दावा किया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वीकार किया है कि भेदभाव हुआ है, लेकिन यह स्थायी प्रकृति का नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले 60 वर्षों में ऐसा कोई आदेश नहीं दिया गया था।

आतंकवाद से निपटने के लिए डोभाल ने बिम्सटेक सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ने पी ता/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शुक्रवार को 'बहुक्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल' (बिम्सटेक) देशों से आतंकवाद, मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी तथा संगठित अपराध से निपटने में मजबूत सहयोग का आह्वान किया। डोभाल ने म्यांमार की राजधानी में बिम्सटेक देशों के सुरक्षा प्रमुखों की चौथी वार्षिक बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया।

म्यांमार स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एनएसए ने बिम्सटेक बैठक में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। उन्होंने आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी और हथियारों की तस्करी तथा संगठित अपराध से निपटने में सहयोग मजबूत करने, बिम्सटेक कनेक्टिविटी, दूसरे बंदरगाह सम्मेलन के आयोजन और हिमालयी नदी प्रणालियों की जल सुरक्षा पर बात की।

पाकिस्तान को प्रधानमंत्री मोदी ने दी कड़ी चेतावनी

सीमापार आतंकवाद को कुचल कर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करगिल/एजेन्सी। केंद्रशसित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र में हाल में बढ़े आतंकवादी हमलों के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सीमा पार आतंकवाद को पूरी ताकत से कुचल दिया जायेगा और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा।

मोदी ने करगिल से पाकिस्तान को आज यह कड़ा संदेश दिया , जहां भारत ने 1999 में एक छोटे युद्ध में नियंत्रण रेखा के पार द्रास-करगिल सेक्टर की पर्वत चोटियों से हजारों पाकिस्तानी सैनिकों को मारकर और खदेड़कर पाकिस्तान को अपमानजनक हार का स्वाद चखाया था। आज ही के दिन युद्ध विराम की घोषणा की गयी थी और इसे भारत में 'करगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

■ **पाकिस्तान ने पिछली हार और गलतियों से कोई सबक नहीं सीखा है तथा वह आतंकवाद एवं छद्म युद्ध की मदद से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।**

करगिल युद्ध की 25वीं वर्षगांठ पर द्रास में युद्ध स्मारक पर युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के बाद सशस्त्र बलों के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों की सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने पिछली हार और गलतियों से कोई सबक नहीं सीखा है तथा वह आतंकवाद एवं छद्म युद्ध की मदद से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में बढ़ते आतंकी हमलों का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा, पाकिस्तान हमेशा अतीत में विफल रहा हैं, लेकिन उसने अपने अतीत से कुछ नहीं सीखा है। वह आतंकवाद और छद्म युद्ध की मदद से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। आज जब मैं ऐसी जगह से बोल रहा हूं जहां आतंक के आका मेरी आवाज सीधे सुन सकते हैं, तो मैं आतंकवाद के इन संरक्षकों को बताना चाहता हूं कि उनके नापाक इरादे कभी सफल नहीं होंगे। हमारे बहादुर जवान पूरी ताकत से आतंकवाद को कुचल देंगे और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा।

वर्ष 1999 के करगिल युद्ध के बारे में मोदी ने कहा कि भारत ने न केवल युद्ध जीता बल्कि 'सत्य, संयम और शक्ति' का अद्भुत उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा, करगिल में हमने न केवल युद्ध जीता बल्कि हमने 'सत्य, संयम और शक्ति' का अद्भुत उदाहरण भी दिया। आप जानते हैं, भारत उस समय शांति की कोशिश कर रहा था और बदले में पाकिस्तान ने एक बार फिर अपना अविश्वसनीय चेहरा दिखाया। लेकिन सत्य के सामने झूठ और आतंक की हार हुई।

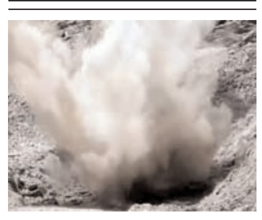

प्रधानमंत्री मोदी ने शिंकुन ला सुरंग के निर्माण के लिए 'पहला विस्फोट' किया

द्रास (करगिल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश और केंद्र-शासित प्रदेश लद्दाख के बीच हर मौसम में संपर्क सुविधा प्रदान करने वाली सुरंग के निर्माण के लिए ''पहला विस्फोट'' किया। मोदी ने शिंकुन ला सुरंग के निर्माण की शुरुआत करते हुए लद्दाख के द्रास से कुछ दूरी से ''पहला विस्फोट'' किया। शिंकुन ला सुरंग परियोजना में 4.1 किलोमीटर लंबी दोहरी-ट्यूब सुरंग शामिल है, जिसका निर्माण लेह को सभी मौसम में संपर्क प्रदान करने के लिए निमू-पदुम-दारचा रोड पर लगभग 15,800 फुट की ऊंचाई पर किया जाएगा। एक प्रवक्ता ने कहा, निर्माण पूरा होने के बाद यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी। शिंकुन ला सुरंग न केवल हमारे सशस्त्र बलों और उपकरणों की तेज एवं कुशल आवाजाही सुनिश्चित करेगी।

असम में अहोम राजवंश का समाधि स्थल 'मोइदम' विश्व धरोहर में शामिल

नई दिल्ली/एजेन्सी। असम के चराइदेव जिले में स्थित प्राचीन अहोम राजवंश के टीले वाले समाधि-स्थल 'मोइदम' को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।

यह घोषणा यहां चल रही यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति की

46वीं बैठक के दौरान शुक्रवार को की गई। असम की 'मोइदम' भारत की 43वीं संपत्ति है, जिसे यूनेस्को की विश्व धरोहरों की सूची में स्थान मिला है। असम की दो और सम्पत्तियों काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और मानस वन्यजीव अभयारण्य को इससे पहले 1985 में प्राकृतिक श्रेणी की विश्व धरोहरों में शामिल किया गया था।

आज जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार असम का 'मोइदम' विशाल वास्तुकला का एक अद्भुत उदाहरण है।

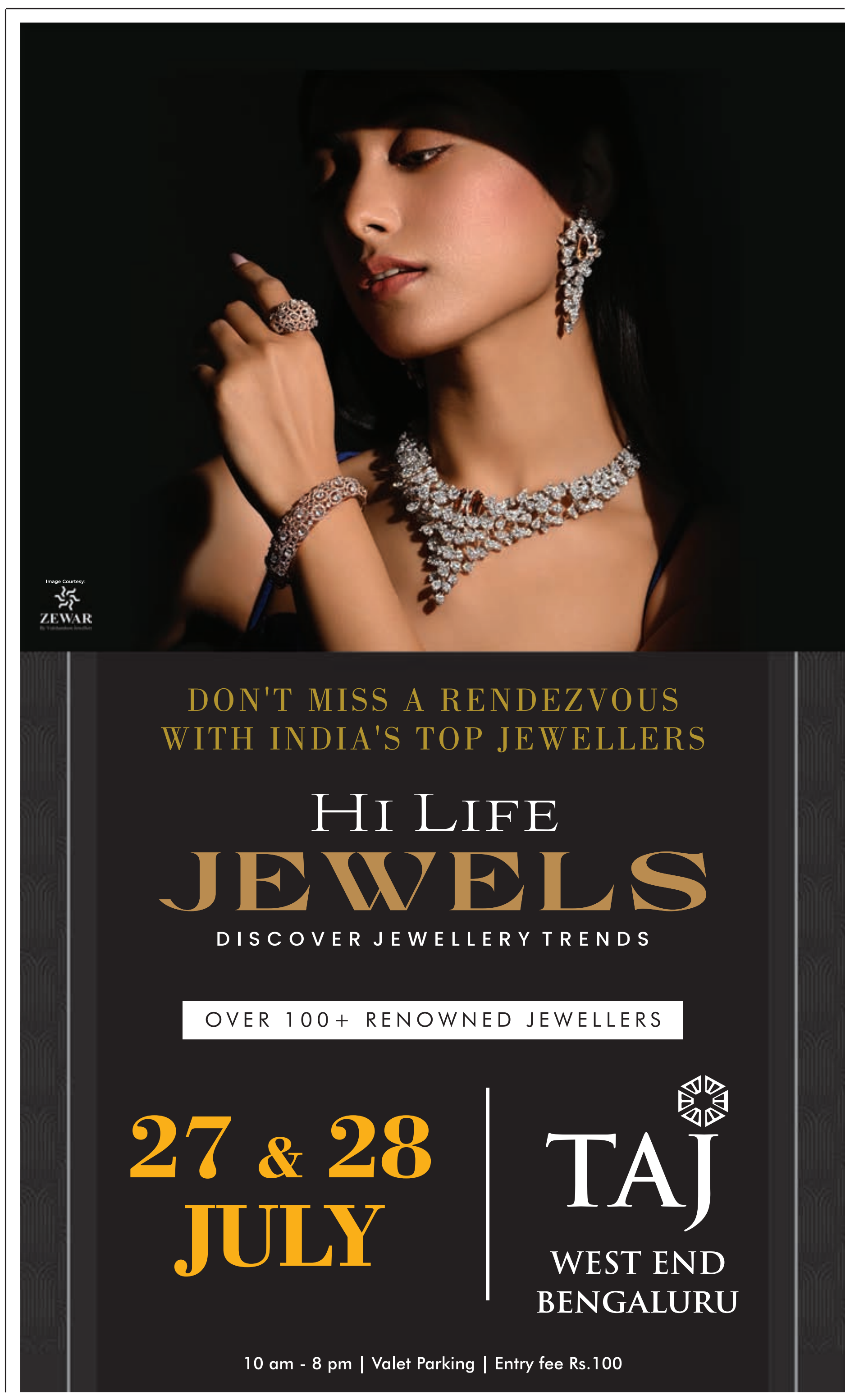

ओलंपिक शुरू होने से कुछ घंटे पहले आगजनी की घटनाओं से फ्रांस का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क ठप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/एपी। फ्रांस में शुक्रवार को आगजनी सहित व्यापक 'आपराधिक' घटनाओं के कारण हाई-स्पीड रेल नेटवर्क ठप हो गया। इससे ओलंपिक के उद्घाटन समारोह से कुछ घंटे पहले फ्रांस व यूरोप के बाकी हिस्सों से पेरिस की यात्रा बाधित हो गई। इतना ही नहीं इन घटनाओं ने एथलीट को ओलंपिक खेलों के भव्य उद्घाटन समारोह से पहले यहां पहुंचने से भी रोक दिया।

फ्रांसीसी अधिकारियों ने हमलों को 'आपराधिक कृत्य' करार देते हुए घटना की निंदा की और कहा कि इनका खेलों से

कोई सीधा संबंध नहीं है। वहीं, पेरिस में अभियोजकों ने मामले की जांच शुरू कर दी और कहा कि इन अपराधों के लिए दोषियों को 15 से 20 वर्ष की सजा हो सकती है।

पेरिस के गारे डू नॉर्ड स्टेशन पर लंदन जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रही 42 वर्षीय यात्री सारा मोसली ने कहा, ओलंपिक की शुरुआत का सबसे खराब तरीका। रेल पटरियों पर आगजनी के कारण रेल यातायात बाधित हुआ है।

पेरिस में अधिकारी सीन नदी और इसके किनारे एक शानदार परेड के आयोजन की तैयारी कर रहे थे लेकिन अटलांटिक, नॉर्ड और एस्ट की हाई-स्पीड लाइनों पर पटरियों के पास आगजनी की सूचनाएं मिलीं।

इजरायली एथलीटों को निशाना बना सकता है ईरान : काट्ज

यरुशलम/एजेन्सी। इज़रायल के विदेश मंत्री इज़रायल काट्ज़ ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष स्टीफन सेजॉर्न से को चेतावनी दी है कि पेरिस ओलंपिक के दौरान ईरान इज़रायली एथलीटों और पर्यटकों पर हमला कर सकता है। इज़रायली समाचार पोर्टल वाईनेट ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक काट्ज़ ने सेजार्न को भेजे पत्र में कहा है ईरान पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान एथलीटों और पर्यटकों के खिलाफ़ आतंकवादी हमले आयोजित करने की कोशिश कर सकते हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बयानबाज नेता

जिस भी दल का हूं मैं प्रहरी,
वो निशान देता हूं।
तीर सदा अपने ही रख कर,
तब कमान देता हूं।
वापिस भी ले सकता हूं फिर,
जो बयान देता हूं।
मैं नेता हूं जो वादों की,
बस जुबान देता हूं।।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा संचालित धार्मिक पाठशाला के अभ्यासकों ने गत 25 वर्षों से धार्मिक ज्ञान दे रहे रोहित गुरुजी का गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्यमें गुरुजी का भावपूर्वक वंदना कर सम्मानित किया गया इस अवसर पर पवनी बाफना, मनीषा पनानी, उर्मिला कोठारी, संगीता बागरेचा, रेखा खांटेड, नीता सोनीगरा, पवनी बाफना आदि ने अपने अपने भाव व्यक्त किये।

करगिल युद्ध में जीत सेना की क्षमता और बहादुरी का प्रमाण: मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय सेना ने 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ करगिल युद्ध जीतकर सैन्य इतिहास में एक नया अध्याय लिखा था और यह जीत सैनिकों की युद्ध क्षमता और बहादुरी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना दुनिया की सबसे अच्छी सेनाओं में से एक है जो अब दुश्मन के इलाके में जाकर लड़ाई लड़ती है। कारगिल युद्ध कठिन परिस्थितियों में लड़ा गया था।

यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अतीत को देखा है और पड़ोसियों से कैसे निपटना है, यह समझते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, भारतीय सेना ने करगिल युद्ध में जीत के साथ एक नया इतिहास रचा और यह उनकी बहादुरी और पराक्रम का प्रमाण है। कई बार युद्धों में सेना का साहस हथियारों से ज्यादा मायने रखता है। वीरता भारत की पहचान है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता यहां शौर्य स्मारक पर कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सदियों से दुश्मन किसी न किसी बहाने भारत में घुसे और इसे नष्ट करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए, लेकिन देश के लोगों की बहादुरी के कारण वे अपने नापाक मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए। यादव ने कहा कि भारत ही एकमात्र प्राचीन सभ्यता है जो बची हुई है, जबकि मिस्र और रोम जैसी सभ्यताएं नष्ट हो गई हैं।

उन्होंने कहा, भारत और पाकिस्तान 1947 में दो राष्ट्र बने। अगर आज हम उनकी तुलना करें तो हम पाते हैं कि भारत और उसके गुण अलग-अलग हैं। 1965 और 1971 के बाद 1999 में दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ। जब अटल जी (अटल बिहारी वाजपेयी) प्रधानमंत्री थे तो पाकिस्तान ने उन्हें धोखा देने की कोशिश की, जबकि भारत ने पड़ोसी होने के नाते अपना 'धर्म' निभाया। अंतत: करगिल युद्ध में पाकिस्तान की हार हुई।

यादव ने कहा कि देश करगिल युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा, आज भारत अपने दुश्मनों से उनकी सीमा में घुसकर निपट सकता है। भारतीय सेना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है, जो दुश्मनों से निपटना जानती है।

मुख्यमंत्री ने शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

उल्लेखनीय है कि 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने लद्दाख में करगिल की बर्फीली चोटियों पर लगभग तीन महीने तक चली लड़ाई के बाद ''ऑपरेशन विजय'' की सफल परिणति की घोषणा की थी। इस दिन को युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के उपलक्ष्य में 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना से युद्ध ट्रॉफी के रूप में प्राप्त टी-55 टैंक को शौर्य स्मारक परिसर में स्थापित करना महत्वपूर्ण है। बाद में उन्होंने युद्ध स्मारक पर स्थायी प्रदर्शनी का निरीक्षण किया।

डिजिटल भुगतान इस साल मार्च तक 12.6 प्रतिशत बढ़ा: आरबीआई-डीपीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश भर में डिजिटल भुगतान में 31 मार्च 2024 तक 12.6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई।

ऑनलाइन लेनदेन को अपनाने को मापने वाला आरबीआई सूचकांक में यह कहा गया। सूचकांक मार्च 2024 के अंत में 445.5 पर रहा, जबकि सितंबर 2023 में यह 418.77 और मार्च 2023 में 395.57 पर था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, आरबीआई-डीपीआई सूचकांक सभी मापदंडों पर बढ़ा है। इसका कारण देश भर में भुगतान प्रदर्शन तथा भुगतान बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

रिजर्व बैंक ने देश भर में डिजिटल भुगतानों की सीमा का पता लगाने के लिए एक समग्र भारतीय रिजर्व बैंक-डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई)तैयार करने की घोषणा की थी। इसके लिए मार्च 2018 को आधार बनाया गया था। आरबीआई-डीपीआई में पांच व्यापक मानदंड शामिल हैं जो अलग-अलग समय अवधि में देश में डिजिटल भुगतान की गहराई और पैठ को मापने में सक्षम बनाते हैं। ये मानदंड आनलाइन भुगतान को सक्षम बनाने वाली व्यवस्था (भारांश 25 प्रतिशत); भुगतान अवसंरचना - मांग से जुड़े कारक (10 प्रतिशत); भुगतान अवसंरचना - आपूर्ति पक्ष कारक (15 प्रतिशत); भुगतान का कार्य-प्रदर्शन (45 प्रतिशत) और उपभोक्ता केन्द्रीयता (5 प्रतिशत) हैं।

चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा सबसे अधिक, लेकिन अंतर कम हो रहा है : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि वस्तुओं के मामले में भारत का चीन के साथ सबसे अधिक व्यापार घाटा है, लेकिन 2014-15 से 2023-24 के दौरान यह अंतर उससे पिछले 10 वर्षों की तुलना में कम गति से बढ़ा है।

राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में गोयल ने बताया कि 2004-05 से 2013-14 के दौरान व्यापार घाटा 42.85 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा लेकिन 2014-15 से 2023-24 के दौरान यह घटकर 6.45 प्रतिशत रह गया। गोयल ने कहा ''यह स्पष्ट रूप से पिछले दस वर्षों के दौरान चीन से अत्यधिक आयात की वृद्धि दर को नियंत्रित करने में सरकार की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह भी ध्यान देने योग्य है कि 2004-05 से 2013-14 तक व्यापार घाटा लगभग 24.8 गुना बढ़ा, जबकि 2014-15 से 2023-24 तक यह केवल 1.75 गुना बढ़ा है। गोयल ने कहा, भारत का चीन के साथ सबसे अधिक व्यापारिक व्यापार घाटा है। 2023-24 में चीन को भारत का निर्यात 16.65 अरब अमरीकी डॉलर था, जबकि आयात कुल 101.75 अरब अमरीकी डॉलर था, जिससे व्यापार घाटा 85 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक हो गया। चीन 2023-24 में 118.4 अरब अमेरिकी डॉलर के दोतरफा वाणिज्य के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर उभरा है। गोयल ने यह भी कहा कि चीन से आयातित अधिकांश सामान पूंजीगत सामान, मध्यवर्ती सामान और दवा सामग्री, विभिन्न उपकरणों के कलपुर्जे, इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जे और मोबाइल के कलपुर्जे जैसा कच्चा माल हैं, जिनका उपयोग तैयार उत्पाद बनाने के लिए किया जाता है।

दवाओं की गुणवत्ता की जांच के लिए एक मजबूत प्रणाली: नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने कहा कि दवाओं की गुणवत्ता की जांच के लिए एक मजबूत प्रणाली है और अफ्रीका को निर्यात किए जाने वाले कुछ कफ सिरप की गुणवत्ता पर जताई गई चिंताओं के संबंध में कार्रवाई की गई है। रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे पी नड्डा ने लोकसभा में प्रश्नकाल में कहा कि सरकार दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सतर्क है और सुनिश्चित करेगी कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। वह कांग्रेस सदस्य गौरव गोगोई द्वारा अफ्रीका को निर्यात किए जाने वाले कुछ कफ सिरप पर चिंताओं के बारे में पूछे पूरक प्रश्न का जवाब दे रहे थे। मंत्री ने कहा दवाओं की जांच के लिए मजबूत प्रणाली मौजूद है व दुनिया की सबसे प्रभावी और सस्ती दवाएं भारत में बनाई जाती हैं। लोस अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वे जिन भी देशों में गए हैं, वहां भारत की दवाओं की मांग है और उन्होंने सरकार से वैश्विक स्तर पर दवाओं का निर्यात बढ़ाने को कहा है।

उत्तराखंड : मदमहेश्वर पैदलमार्ग पर पुल बहा, 106 लोगों को बचाया गया

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के रूदप्रयाग जिले में भारी बारिश के कारण मदमहेश्वर पैदल मार्ग के गोंडार में स्थित एक पुल बह गया जिससे वहां 106 पर्यटक फंस गए। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के अधिकारियों ने यहां बताया कि शुक्रवार की सुबह मार्कण्डेय नदी पर बने पैदल पुल के बहने की सूचना मिली जिसके बाद गोंडार के पास फंसे लोगों को निकालने के लिए हेलीकॉप्टर की भी मदद ली गई। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ की एक टीम निरीक्षक अनिरूद्ध भंडारी के नेतृत्व में हेलीकॉप्टर से मदमहेश्वर से पांच किलोमीटर नीचे नानू नामक स्थान पर पहुंची और वहां से कुल 106 लोगों को बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इन लोगों में पांच महिलाएं भी हैं। इस दौरान, एसडीआरएफ की एक अन्य टीम भी अगस्त्यमुनि से पैदल मार्ग से होते हुए वैकल्पिक तौर पर सहायता के लिए घटनास्थल पहुंची। पंचकेदार श्रृंखला में से एक मदमहेश्वर मंदिर उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में करीब 11 हजार फुट की उंचाई पर स्थित है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के 1.63 लाख करोड़ रुपयों के दावे निपटाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत 32,440 करोड़ रुपए के प्रीमियम के तहत, किसानों को 1.63 लाख करोड़ रुपए के बीमा दावों का भुगतान किया गया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित जवाब में बताया, देश में खरीफ 2016 मौसम से शुरू की गई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना राज्यों के लिए स्वैच्छिक है। अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान स्वैच्छिक रूप से इस योजना के तहत कवरेज के लिए पात्र हैं। इस योजना के तहत, किसानों की फसलों के लिए बुवाई से पहले से लेकर कटाई के बाद के चरणों तक सभी प्राकृतिक जोखिमों के खिलाफ किसानों के लिए बहुत ही उचित प्रीमियम पर व्यापक जोखिम कवरेज प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, पीएमएफबीवाई विशेष रूप से प्राकृतिक आपदा प्रभावित मौसमों/वर्षों/क्षेत्रों में योजना के उद्देश्यों और लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत की गई विभिन्न पहलों के कारण, 2023-24 में कवर किया गया सकल फसल क्षेत्र (जीसीए) 2022-23 में 501 लाख हेक्टेयर की तुलना में बढ़कर 598 लाख हेक्टेयर हो गया है।

आयकर विभाग ने अचल संपत्ति पर एलटीसीजी गणना के लिए जारी किया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने कहा है कि दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर की गणना के उद्देश्य से वर्ष 2001 से पहले खरीदी गई अचल संपत्तियों के अधिग्रहण की लागत एक अप्रैल 2001 तक उचित बाजार मूल्य (एफएमवी, स्टांप ड्यूटी मूल्य से अधिक नहीं) या भूमि या भवन की वास्तविक लागत होगी।

सरकार ने मंगलवार को आम बजट में अचल संपत्तियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) कर को 20 प्रतिशत से घटाकर 12.5 प्रतिशत करने के साथ ही अप्रैल, 2001 के बाद खरीदी गई संपत्तियों के मुद्रास्फीति समायोजन (इंडेक्सेशन) से जुड़े लाभ को हटाने का प्रस्ताव रखा।

वर्ष 2001 से पहले खरीदी गई संपत्तियों के मामले में, उचित बाजार मूल्यांकन (स्टांप ड्यूटी मूल्य से अधिक नहीं) को मुद्रास्फीति समायोजन मूल्य निर्धारित करने के लिए आधार बनाया जा सकता है।

सीबीआई ने विदेशियों से ठगी में लिप्त कॉलसेंटर का किया भंडाफोड, 43 साइबर अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुग्राम में एक कॉलसेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 43 संदिग्ध साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है जो कथित तौर पर विदेशियों को उनके कंप्यूटर की समस्याओं के तकनीकी समाधान की पेशकश कर ठगते थे। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने गुरुग्राम के डीएलएफ साइबर सिटी में स्थित 'इनोसेंट टेक्नोलॉजी (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड' के कार्यालय पर छापा मारा, जहां केंद्रीय एजेंसी ने कई एजेंट को विदेशियों को ठगने के इरादे से 'लाइव कॉल' करते हुए पाया।

सीबीआई ने कहा, दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा में सात स्थानों पर तलाशी ली गई। यह पता चला कि इस नेटवर्क में साइबर आधारित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय अपराधों को अंजाम देने में अलग-अलग सेंटर समन्वय के साथ काम कर रहे थे और उन्हें गुरुग्राम के डीएलएफ साइबर सिटी से संचालित कॉल सेंटर से निर्देश मिलता था। अब तक 43 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीबीआई इस संबंध में सुराग हासिल करने और आगे की कार्रवाई के लिए इंटरपोल के माध्यम से एफबीआई एवं कई देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संपर्क में है। ब्यूरो ने आरोप लगाया है कि निशाने पर लिए जाने वालों को अपने 'सिस्टम' (कंप्यूटर) में 'मैलिसियस' (गड़बड़ी वाले) सॉफ्टवेयर को डाउनलोड करने के लिए राजी किया जाता था, जिससे उनके कंप्यूटर बंद हो जाते थे।

राकांपा ने बजट में महाराष्ट्र को उपेक्षित बताया, भाजपा ने कहा कि हर वर्ग का ध्यान रखा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बजट में महाराष्ट्र की उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को राज्यसभा में सवाल किया कि राजनीतिक बाध्यता से देश कैसे चल पाएगा, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने दावा किया कि बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

उच्च सदन में आम बजट 2024-25 एवं जम्मू कश्मीर के बजट पर एक साथ हो रही चर्चा में भाग लेते हुए राकांपा की फौजिया खान ने कहा ''देश के बजट के हिस्से पर हर नागरिक का अधिकार होता है क्योंकि बजट का एक-एक पैसा देश के नागरिक की जेब से आता है और वे न्यूनतम अपेक्षा का हक रखते हैं, इसलिए बजट राजनीतिक हथियार कतई नहीं होना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि बजट में महाराष्ट्र की अनदेखी की गई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का 66 फीसदी हिस्सा सूखा प्रभावित घोषित है और मराठवाड़ा के दो हजार से अधिक किसानों ने पिछले दो साल में आत्महत्या की है। उन्होंने कहा ''आंध्र प्रदेश के अमरावती में एक सपना साकार करने के लिए 15 हजार करोड़ रुपए दिए गए। मेरे प्रदेश महाराष्ट्र की अमरावती में जहां पिछले छह माह में 557 किसानों ने आत्महत्या की, उस मराठवाड़ा के विदर्भ के लिए सिंचाई के वास्ते केवल 600 करोड़ दिए जाते हैं। खान ने सवाल किया ''राजनीतिक बाध्यता से देश कैसे चल पाएगा?'' भाजपा के अरुण सिंह ने चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि बजट की आलोचना करने से पहले यह देखना चाहिए कि इसमें हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

पेटीएम का निवेश प्रस्ताव अभी सरकार के विचाराधीन: सचिव

नई दिल्ली/भाषा। वित्तीय सेवाओं के सचिव विवेक जोशी ने शुक्रवार को कहा कि चीन से जुड़े निवेशों की निगरानी करने वाली अंतर-मंत्रालयी समिति ने अभी तक पेटीएम की भुगतान एग्रीगेटर इकाई में उसके निवेश के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी है। जोशी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि पेटीएम का यह निवेश प्रस्ताव अभी भी अंतर-मंत्रालयी समिति के पास विचाराधीन है और इस पर जल्द ही फैसला होने की उम्मीद है।

मुश्किलों में घिरी पेटीएम ने अपनी पूर्ण अनुषंगी इकाई पेटीएम पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) में 50 करोड़ रुपए का निवेश करने का प्रस्ताव रखा है। लेकिन इस प्रस्ताव को सरकार की पूर्व-मंजूरी लेनी जरूरी है। दरअसल पेटीएम की मूल इकाई वन97 कम्युनिकेशंस लि. (ओसीएल) में चीन से निवेश आया है। इस वजह से विदेश, गृह, वित्त एवं उद्योग मंत्रालयों के अधिकारियों की एक समिति इस पर गौर कर रही है कि ओसीएल का पीपीएसएल में निवेश प्रस्ताव एफडीआई दिशानिर्देशों के अनुरूप है या नहीं। जोशी ने कहा कि अंतर-मंत्रालयी पैनल से निवेश प्रस्ताव पर मंजूरी मिलने के बाद पेटीएम भुगतान एग्रीगेटर लाइसेंस पाने के लिए रिजर्व बैंक से संपर्क कर सकता है। रिजर्व बैंक उसके प्रस्ताव की जांच करने के बाद लाइसेंस देने के बारे में कोई फैसला करेगा। पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लि. ने नवंबर, 2020 में भुगतान एग्रीगेटर के रूप में काम करने के लिए रिजर्व बैंक के पास लाइसेंस की अर्जी लगाई थी। लेकिन केंद्रीय बैंक ने नवंबर, 2022 में पीपीएसएल के आवेदन को खारिज कर दिया था।

पालघर: बिना लाइसेंस की दवा कंपनी से एक करोड़ रुपए से अधिक की सामग्री जब्त

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक दवा कंपनी के पास राज्य में दवाएं बनाने का लाइसेंस नहीं होने का पता चलने के बाद तीन स्थानों पर छापेमारी की और 1.41 करोड़ रुपए की सामग्री जब्त की। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि जिले की वसई तालुका में गहरवार फार्मा प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की इकाइयों पर छापे मारे गए। एफडीए ने अपनी विज्ञप्ति में कहा कि कंपनी ने हरियाणा में आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण का लाइसेंस प्राप्त किया था और वह बिना अनुमति के वसई में इन दवाओं का उत्पादन कर रही थी। विज्ञप्ति के अनुसार, जिन दवाओं का निर्माण हरियाणा में होना था उन्हें पंजाब में ओंकार फार्मा कंपनी को बेचा जाना दिखाया गया।

हरिद्वार में कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली मस्जिद, मजारों के आगे लगाए गए पर्दे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार/भाषा। कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटल और ढाबा संचालकों के नाम और पते वाले 'साइनबोर्ड' लगाने संबंधी आदेश पर विवाद अभी पूरी तरह से थमा भी नहीं है कि अब हरिद्वार जिला प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर पड़ने वाली मस्जिदों और मजारों को तिरपाल और तंबू लगाने में इस्तेमाल कपड़ों के पर्दों से ढक दिया है।

ज्वालापुर के रामनगर कॉलोनी स्थित मस्जिद और दुर्गा चौक के पास स्थित मजार के गेट पर बड़ा तिरपाल लगा दिया गया है। इससे पहले, कांवड़ यात्रा के दौरान मस्जिदों और मजारों को कभी नहीं ढका गया था।

ज्वालापुर स्थित मजार कें प्रबंधक शकील अहमद ने कहा कि इस संबंध में उनसे कोई बात नहीं की गई। उन्होंने कहा कि कई दशकों से यहां से कांवड़िए गुजर रहे हैं, वे मजार के बाहर पेड़ की छाया में आराम करते हैं और चाय वगैरह पीते हैं। अहमद ने कहा कि पता नहीं इस बार ऐसा क्यों किया गया।

इस मामले में प्रशासनिक अधिकारी मीडिया से बात करने से बचते नजर आए। हालांकि, प्रदेश के पर्यटन और धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि कांवड़ यात्रा को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए मस्जिद और मजारों को ढका गया है। उन्होंने कहा, कोई समस्या न हो, इसे देखते हुए ही कुछ बातो पर रोक लगाई जाती है। कांवड़ मार्ग पर किसी प्रकार की उत्तेजना न हो, इसलिए मस्जिद और मजारों को ढका गया है।

इस संबंध में कांग्रेस नेता और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राव आफाक अली ने कहा कि प्रशासन का मस्जिदों और मजारों को ढकने का फैसला हैरान करने वाला है।

अली ने कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ और कुछ कांवड़िए मस्जिदों में भी जाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ऐसा देश है, जहां सभी हर धर्म व जाति का ध्यान रखते हैं।

आईटीबीपी के लिए 'बहुत उपयोगी' साबित होंगे अग्निवीर: रसगोत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की रक्षा के लिए तैनात आईटीबीपी के लिए अग्निवीर बहुत उपयोगी साबित होंगे। यह बात केंद्रीय बल के एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को कही।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक (डीजी) राहुल रसगोत्रा ने गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि इन अच्छी तरह प्रशिक्षित और अनुशासित सैनिकों की भर्ती के लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं, जो सेना से सीमा सुरक्षा पुलिस बल में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि जैसा कि ज्ञात है, आईटीबीपी और सेना के जवान भारत-चीन सीमा की रक्षा करते हैं और इसलिए ये अच्छी तरह से प्रशिक्षित और अनुशासित अग्निवीर, सीमा सुरक्षा पुलिस बल के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगे।

आईटीबीपी महानिदेशक ने कहा कि सीमा सुरक्षा पुलिस बल का मानना है कि अग्निवीरों के शामिल होने से आईटीबीपी को एक नई ऊर्जा मिलेगी और उसे उनसे

लाभ होगा। रसगोत्रा ने कहा कि अग्निवीरों को शामिल करने के लिए आईटीबीपी के भर्ती नियमों में आवश्यक संशोधन गृह मंत्रालय द्वारा जारी किया गया है और वे आयु और शारीरिक दक्षता परीक्षण में छूट के लिए पात्र होंगे।

यह बयान ऐसे समय में आया है, जब सेना, नौसेना और वायुसेना में कर्मियों की अल्पकालिक भर्ती के लिए 'अग्निपथ भर्ती योजना' पर नए सिरे से चर्चा हो रही है।

सरकार ने सेना के तीनों अंगों में औसत आयु वर्ग को युवा रखने के उद्देश्य से 2022 में 'अग्निपथ भर्ती योजना' शुरू की थी।

इस योजना में साढ़े 17 से 21 वर्ष की आयु के युवाओं को चार साल की अवधि के लिए अग्निवीर के रूप में भर्ती करने का प्रावधान है, जिसमें से 25 प्रतिशत को अगले 15 वर्षों तक बनाए रखने का प्रावधान है।

कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल इस योजना को लेकर सरकार पर निशाना साध रहे हैं और सवाल उठा रहे हैं कि चार साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद शेष 75 प्रतिशत अग्निवीरों का क्या होगा।

लगभग 90,000 कर्मियों वाली आईटीबीपी को मुख्य रूप से चीन के साथ लगती 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की रखवाली करने के अलावा कई तरह की आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी भी निभानी होती है।

श्रद्धांजलि

बेंगलूरु में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने वार मेमोरियल पर 1999 के करगिल युद्ध में शौर्य का प्रदर्शन करने और अपने प्राणों की आहुति देने वाले सशस्त्र बलों के जवानों को शुक्रवार को श्रद्धांजलि दी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने 'एमयूडीए घोटाले' को लेकर विपक्ष के आरोपों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा उनकी पत्नी पार्वती सहित जमीन गंवाने वालों को किए गए भूमि आवंटन में कथित धोखाधड़ी के सिलसिले में अपना बचाव करते हुए कहा कि इसमें न तो उनकी और न ही उनके परिवार के किसी भी सदस्य की कोई भूमिका है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल सेक्युलर (जद-एस) द्वारा 'घृणा एवं बदले की भावना' से उनके खिलाफ राजनीति से प्रेरित आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन दलों की मंशा उनकी छवि धूमिल करने की है क्योंकि वे उनके दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने को पचा नहीं पा रहे हैं।

सिद्दरामय्या ने यह भी कहा कि ''राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने एमयूडीए में कथित अनियमितताओं के संबंध में सरकार से रिपोर्ट मांगी है और रिपोर्ट भेज दी जाएगी क्योंकि सबकुछ पूरी तरह से कानून सम्मत है।'' उन्होंने भाजपा-जद-एस द्वारा लगाए गए आरोपों पर विस्तृत बयान देते हुए कहा, ''क्या इसमें मेरी या मेरी पत्नी या मेरे साले की कोई भूमिका है? हमारी ज़मीन (एमयूडीए द्वारा) ली गई...एमयूडीए ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए दूसरों की तरह ही हमें भी जगह (वैकल्पिक भूखंड) दी। इसमें गैरकानूनी क्या है?''

मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''मेरी कोई भूमिका नहीं है। यह पूरी तरह से कानून सम्मत है।

भाजपा और जद-एस राजनीति के लिए झूठे प्रचार में लिप्त हैं और मुझे व्यक्तिगत रूप से बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि दोनों दल यह पचा नहीं पा रहे हैं कि मैं दूसरी बार मुख्यमंत्री बना हूं और वे 2023 का विधानसभा चुनाव हार चुके हैं तथा 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें झटका लगा है।''

आरोप है कि मैसूरु के एक पॉश इलाके में मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को वैकल्पिक भूखंड आवंटित किए गए जिनकी कीमत एमयूडीए द्वारा 'अधिग्रहीत' उनकी जमीन के मूल्य की तुलना में अधिक है। एमयूडीए ने पार्वती की 3.16 एकड़ जमीन के बदले में उन्हें 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे। प्राधिकरण ने पार्वती की जमीन पर 'आवासीय लेआउट' विकसित किया था। इस विवादास्पद योजना में लेआउट बनाने के लिए अधिग्रहीत अविकसित भूमि के बदले में भूमि देने वाले को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित करने की परिकल्पना की गई है।

शहरी विकास मंत्री बैयरती सुरेश ने कहा कि विपक्षी दलों के कई नेताओं या उनके परिवार के सदस्यों या रिश्तेदारों या दोस्तों या समर्थकों को भी वैकल्पिक भूखंड दिए गए हैं और उनमें केंद्रीय मंत्री एवं जद-एस के प्रदेश प्रमुख एच डी कुमारस्वामी, भाजपा के विधान परिषद सदस्य मंजे गौड़ा, जद-एस विधायक और पूर्व मंत्री जी टी देवेगौड़ा, भाजपा के विधान परिषद सदस्य और पूर्व मंत्री एच विश्वनाथ, पूर्व जद-एस विधायक एस आर महेश शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह सब गलत तरीके से किया गया, यह कानून के अनुसार किया गया है, जैसा कि इस मामले में (मुख्यमंत्री की पत्नी को) भूखंड दिया गया है... हम ये दस्तावेज न्यायिक आयोग को देंगे और वह इन आवंटनों की जांच करेगा।'' सुरेश ने कहा कि कुमारस्वामी ने हाल में यह कहते हुए और अधिक वैकल्पिक भूखंडों की मांग की है कि उनकी भूमि अधिग्रहीत की गई है। उन्होंने कहा कि इस पर विचार किया जा रहा है।

यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी सूरज रेवन्ना ने कहा, सच्चाई 15-20 दिन में सामने आ जाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कुछ पुरुषों के यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे और जमानत पर बाहर आए जनता दल (सेक्युलर) के विधान पार्षद सूरज रेवन्ना ने शुक्रवार को कहा कि 15 से 20 दिन में उन सभी लोगों का पर्दाफाश हो जाएगा जो उनके और उनके परिवार के खिलाफ साजिश का हिस्सा थे।

रेवन्ना ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और सच्चाई जल्द सामने आ जाएगी। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते सूरज रेवन्ना ने मैसूरु में देवी चामुंडेश्वरी की पूजा करने के बाद संवाददाताओं से कहा, हमने कुछ भी गलत नहीं किया है। इसलिए हम सभी इतने आश्वस्त हैं। सभी सवालों के जवाब मिलेंगे। समय इसका

जवाब देगा। सूरज ने कहा, ''मैं आपको यह भी बताना चाहूंगा कि सच्चाई लंबे समय तक छिप नहीं सकती। इस साजिश में शामिल सभी लोग बेनकाब होंगे। बस 15 से 20 दिन इंतजार कीजिए।''चामुंडी हिल्स की अपनी यात्रा के बारे में जद (एस) विधान पार्षद ने कहा कि यह एक पारिवारिक परंपरा है कि हर साल वह अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ देवी की पूजा करने के लिए चामुंडेश्वरी मंदिर जाते हैं।

सूरज रेवन्ना को यौन उत्पीड़न मामले में दो दिन पहले ही जमानत पर रिहा किया गया था। सूरज को जद (एस) कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया था, जिसने आरोप लगाया था कि उन्होंने उसका यौन उत्पीड़न किया। सूरज के छोटे भाई प्रज्वल रेवन्ना पर भी कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है और वह जेल में हैं। सूरज के माता-पिता एच डी रेवन्ना और भवानी रेवन्ना भी जमानत पर हैं। उन पर एक महिला का कथित तौर पर अपहरण करने का आरोप है, जिसके साथ प्रज्ञवल रेवन्ना के यौन उत्पीड़न का कथित वीडियो लोकसभा चुनाव से पहले सामने आया था।

प्रज्वल लोकसभा चुनाव में हासन सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार थे, लेकिन चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

कर्नाटक में 2,663 करोड़ रुपये की लागत से वृंदावन गार्डन का विकास किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को मांड्या जिले में स्थित वृंदावन गार्डन के विकास के लिए 2,663 करोड़ रुपये के अनुमानित खर्च के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। यह गार्डन कावेरी नदी पर कृष्ण राज सागर (केआरएस) बांध के निचले हिस्से में स्थित है।

इसे विकसित करने का कार्य सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (पीपीपी) के तहत किया जाएगा। कानून और विधायी कार्य मंत्री एच के पाटिल ने कहा, गार्डन के विकास के तहत होटल बनाना, केआरएस में प्रकाश की व्यवस्था करना और पानी में खेले जाने वाले खेलों की व्यस्था करना शामिल करना है। उन्होंने कहा कि इसे एक मनोरंजक पार्क की तरह विकसित किया जाएगा।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इस परियोजना में केआरएस बांध के निचले हिस्से में 198 एकड़ क्षेत्र में गार्डन के सौंदर्यीकरण और पर्यटन संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने की परिकल्पना की गई है।

मुख्य योजना में हेलीपैड, पार्किंग, जलप्रपात, वाटर पार्क और संग्रहालय जैसी कई अवधारणाएं शामिल हैं। समाज कल्याण विभाग द्वारा 105 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 15 तालुकों में एक-एक छात्रावास स्थापित करने के लिए भी प्रशासनिक मंजूरी दी गई।

कर्नाटक संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के चालक दल को मथुरा में गति सीमा का उल्लंघन करने पर निलंबित किया गया

बेंगलूरु/नई दिल्ली। आगरा रेल मंडल ने मथुरा सेक्शन में 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति सीमा का उल्लंघन करने और यात्रियों की जान जोखिम में डालने के लिए कर्नाटक संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के चालक दल को निलंबित कर दिया है। रेलवे विभिन्न कारणों जैसे पटरी की स्थिति, पटरी के जारी मरम्मत कार्य, पुराने रेलवे पुल, स्टेशन यार्ड पुनर्निर्माण आदि के चलते रेल गाड़ियों के सुरक्षित संचालन के लिए गति सीमा लगाता है। निलंबन की यह कार्रवाई 21 जुलाई को की गई।

उत्तर मध्य रेलवे जोन के अंतर्गत आने वाले आगरा मंडल की जनसम्पर्क अधिकारी (पीआरओ) प्रशस्ति श्रीवास्तव ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, चालक दल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है और उन्हें मौके पर ही निलंबित कर दिया गया है। मथुरा के एक रेलवे अधिकारी ने कहा, लोको पायलट और सहायक लोको पायलट दोनों मथुरा को पार करते समय 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति सीमा का पालन करना भूल गए और रेलगाड़ी को अधिक गति से चलाया, जो रेलवे मानदंडों का गंभीर उल्लंघन है और इससे दुर्घटना हो सकती है। पिछले दो महीनों में आगरा मंडल में यह तीसरी घटना है जिसमें एक्सप्रेस ट्रेन के चालक दल ने गति सीमा का उल्लंघन किया।

रेलवे के एक अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा, ऐसा लगता है कि आगरा मंडल के लोको पायलटों के साथ कुछ गड़बड़ है, जिसके अंतर्गत मथुरा सेक्शन आता है। ऐसा लगता है कि वे किसी कारण से तनाव में हैं। उन्होंने कहा, रेलवे बोर्ड को इस मामले को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए और पड़ताल के लिए एक जांच दल भेजना चाहिए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए और कोई अप्रिय घटना घट जाए। इससे पहले मई 2024 में, आगरा मंडल के एक खंड में 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन चलाने के लिए गतिमान एक्सप्रेस और मालवा एक्सप्रेस के चालकों को उनके सहायकों के साथ निलंबित कर दिया गया था, जहां सतर्कता गति सीमा 20 किलोमीटर प्रतिघंटे तक सीमित थी।

रेलवे के अनुसार, इंजन में चढ़ने से पहले, लोको पायलट और उनके सहायक संबंधित परिचालन विभाग से सलाह और सतर्कता गति सीमाओं के साथ एक पूर्ण 'रूट चार्ट' प्राप्त करते हैं और उन्हें उसी के अनुसार गति बनाए रखनी होती है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि सहायक चालक इन सलाहों को जोर से बोलते हैं जबकि चालक पुष्टि करने के लिए उन्हें दोहराता है। यह बहुत आश्चर्यजनक है कि दोनों से कैसे चूक हो गयी।

मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर ने कारगिल युद्ध विजय की रजत जयंती मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर ने कारगिल युद्ध में भारत की जीत की 25वीं वर्षगांठ को शुक्रवार को एक पुष्पांजलि समारोह के साथ मनाया। शरकत युद्ध स्मारक पर आयोजित इस भव्य समारोह में उन बहादुर नायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई, जिन्होंने युद्ध के दौरान बलिदान दिया था। इस कार्यक्रम में युद्ध स्मारक पर अधिकारियों और सैनिकों ने शिरकत की। उन वीर योद्धाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने कारगिल के चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में वीरतापूर्वक लड़ाई लड़ी थी।

मराठा एलआईआरसी के कमांडेंट ब्रिगेडियर जॉयदीप मुखर्जी ने राष्ट्र की अखंडता की रक्षा में नायकों के साहस और समर्पण के लिए स्मृति और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में पुष्पांजलि अर्पित की। ब्रिगेडियर जॉयदीप मुखर्जी ने सैनिकों और उनके परिवारों द्वारा किए गए बलिदानों को याद रखने के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने दोहराया कि इस तरह के स्मरणोत्सव देश की सीमाओं की रक्षा में भारतीय सेना द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस और बहादुरी की याद दिलाते हैं।

भारतीय सेना देश की रक्षा के लिए वीरता और प्रतिबद्धता की अपनी विरासत को कायम रखती है। बहादुरों के सम्मान में इस तरह के समारोह वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को सेवा और बलिदान के उच्चतम आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं।

स्टालिन करेंगे नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन 27 जुलाई को दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करेंगे। वहीं, सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम केंद्रीय बजट में राज्य के साथ 'विश्वासघात' किए जाने के विरोध में शनिवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने यह जानकारी दी।

भर्ती एवं मूल्यांकन केन्द्र (आरएसी) के अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए आरएसी विज्ञापन संख्या 150 को रद्द करना

संदर्भ विज्ञापन संख्या 150 जो रोजगार समाचार में दिनांक 11-17 मई 2024, समाचार पत्रों में 13 मई 2024 व आरएसी/डीआरडीओ वेबसाइट पर 01 मई को प्रकाशित हुआ था; तथा संबंधित शुद्धिपत्र जो 25 मई 2024 को रोजगार समाचार और समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ था।

प्रशासनिक कारणों से आरएसी के अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए भर्ती विज्ञापन संख्या 150 को रद्द कर दिया गया है।

CBC 10301/11/0071/2425

न्यायालय ने येडीयुरप्पा के खिलाफ मामले की सुनवाई एक हफ्ते के लिए स्थगित की

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा के खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले को रद्द करने की उनकी याचिका पर सुनवाई शुक्रवार को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। येडीयुरप्पा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज है और उन्होंने अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया था।

उच्च न्यायालय ने पुलिस को भाजपा के वरिष्ठ नेता के खिलाफ जल्दबाजी में कोई भी कार्रवाई करने से रोक दिया था। उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दी और इसके साथ ही येडीयुरप्पा को गिरफ्तारी से एक हफ्ते की राहत मिल गई।

एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि जब वह अपनी बेटी के साथ किसी शिकायत के संबंध में येडीयुरप्पा से मिलने गई तो उन्होंने उसकी 17 वर्षीय बेटी का यौन उत्पीड़न किया।

कर्नाटक की नयी मुख्य सचिव होंगी शालिनी रजनीश

बेंगलूरु। कर्नाटक के विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि शालिनी रजनीश राज्य की नयी मुख्य सचिव होंगी। वर्ष 1989 बैच की आईएएस अधिकारी शालिनी रजनीश अपने पति एवं निवर्तमान मुख्य सचिव रजनीश गोयल का स्थान लेंगी, जो 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

पाटिल ने यहां संवाददाताओं से कहा, मंत्रिमंडल ने नये मुख्य सचिव की नियुक्ति पर निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को अधिकृत किया था। उन्होंने सरकार की वर्तमान अतिरिक्त मुख्य सचिव शालिनी रजनीश के नाम को अंतिम रूप दिया है और आज मंत्रिमंडल को इसकी जानकारी दी।

दपरे : कारगिल युद्ध के वीरों के सम्मान में सेंट्रल हॉस्पिटल ने रक्तदान शिविर लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। सेंट्रल हॉस्पिटल ने शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस और अस्पताल दिवस समारोह के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसका उद्घाटन दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. जीएस रामचंद्र ने किया। शिविर में 66 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा में रक्तदान का महत्त्व बताया गया। इसके साथ ही स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए सेंट्रल हॉस्पिटल के योगदान पर प्रकाश डाला गया। डॉ. जीएस रामचंद्र ने अपने उद्घाटन भाषण में आपातकालीन देखभाल और चिकित्सा स्थितियों में रक्तदान की महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने शिविर को सफल बनाने में रक्तदाताओं और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। बताया गया कि सेंट्रल हॉस्पिटल विभिन्न स्वास्थ्य पहलों के जरिए समाज की सेवा करने के अपने मिशन में अडिग है। एसडीजेसीएम राष्ट्रोत्थान ब्लड बैंक के साथ अस्पताल का सहयोग जरूरतमंद लोगों के लिए रक्त की आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा है।

इस अवसर पर सेंट्रल हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक डॉ. बीटी कृष्णा रेड्डी, सहायक मुख्य स्वास्थ्य निदेशक डॉ. शिवकुमार और ब्लड बैंक के ट्रस्टी दत्ता मूर्ति मौजूद थे।

भारतीय मानक ब्यूरो
उपभोक्ता मामले विभाग
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार
मानक भवन, 9 बहादर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
सत्यमेव जयते
मानकः पथप्रदर्शकः

सांकेतिक विज्ञापन सं. 02/2024/स्थापना (प्रतिनियुक्ति)

भारतीय मानक ब्यूरो (इखड), उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, उपभोक्ता मामले विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत संविधिक निकाय और देश में मानकीकरण, उत्पाद और प्रणाली प्रमाणन, सोने/चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग, प्रयोगशाला परीक्षण आदि के क्षेत्र में गतिविधियों के लिए जिम्मेदार हैं। प्रतिनियुक्ति के आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर रिक्तियों को भरने के लिए केन्द्र सरकार/राज्य सरकार/केन्द्र शासित प्रदेश सरकार/संविधिक/स्वायत्त निकाय के योग्य सेवारत कर्मचारियों से नीचे दिये गए विवरण के अनुसार आवेदन आमंत्रित करता हैं:

पद का नाम और वेतन मेट्रिक्स का स्तर	रिक्त पदों की संख्या	तैनाती स्थान और रिक्तियां
अनुभाग अधिकारी लेवल-7 (रु. 44900-142400)	17	कोलकाता-03, चेन्नई-02, मुंबई-02, पटना-01, जमशेदपुर-01, कोच्चि-01 गुवहाटी-01, राजकोट-01, भूबनेश्वर-01, रायपुर-01, कोयम्बटूर-01, बंगलोर-01, हुबली-01

आवेदन कैसे करें : 1. आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि एम्प्लॉयमेंट न्यूज/ रोजगार समाचार में विज्ञापन जारी होने की तारीख से 45 दिन है। 2. कृपया बीआईएस वेबसाइट : www.bis.gov.in के होम पेज पर ''कैरियर अवसर'' टैब के तहत उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन देखें।

(शोएब अख्तर)
निदेशक (स्थापना)
भारतीय मानक ब्यूरो

दिनांक : 27, जुलाई 2024
CBC 08103/12/0005/2425

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
सामानव अंतरिक्ष उड़ान केन्द्र (एचएसएफसी)
निर्माण एवं रखरखाव समूह (सीएमजी)
अंतरिक्ष भवन, बेंगलूरु - 560094 फोन : (080) 2217 2614/2613
इसरो isro

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा के माध्यम से ऑनलाइन मद दर निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र स.	कार्य का नाम एवं एन.आई.टी.सं.	निविदा हेतु अनुमानित लागत	पूर्ण करने की अवधि	निविदा दस्तावेज़ डाउनलोड करने की अवधि	अंतमि तिथि एवं प्रस्तुत करने की अवधि	निविदा का दिनांक	बयाना राशि जमा (ई.एम.डी.)
01.	देवनहल्ली (एचएसएफसी) में मौजूदा परिसर की दीवार को ऊंचा करना तथा कंसर्टिना कॉइल बाड़ लगाना और स्थापित करना। HSFC/CMG/MM/C/117/2024-25 दिनांक : 26.07.2024	₹.22.35 लाख	03 माह	27.07.2024 को (11.00 बजे) से 07.08.2024 को (23.30 बजे) तक	09.08.2024 को 11.00 बजे तक	09.08.2024 को 11.30 बजे तक	₹. 44,700/-

निविदा दस्तावेज़ को, www.tenderwizard.com/ISRO वेबसाइट पर टेंडर विजाड में पंजीकरण करते हुए और निविदा प्रक्रम शुल्क का भुगतान कर डाउनलोड किया जा सकता है। विक्रता पंजीकरण की विधि उपरोक्त वेबसाइट में दर्शाई गई है। इच्छुक निविदाकार अधिक जानकारी के लिए www.isro.gov.in वेबसाइट पर निविदा आमंत्रित करती विस्तृत सूचना (एन.आई.टी.) को देख सकते हैं और क्रय दस्तावेज़ के लिए www.tenderwizard.com/ISRO वेबसाइट देखें।

ह./- समूह प्रमुख, सीएमजी, एचएसएफसी

करगिल विजय दिवस पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले शूरवीरों को श्रद्धांजलि दी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। करगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर शुक्रवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी व पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित तमाम नेताओं ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शूरवीरों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री शर्मा ने यहां अमर जवान ज्योति शहीद स्मारक पर आयोजित करगिल विजय दिवस रजत जयंती समारोह में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले जांबाज सैनिकों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विषम परिस्थितियों मे सीमा पर मुस्तैदी के साथ मोर्चा संभालने वाले हमारे शूरवीरों की बहादुरी और अदम्य साहस अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले ऐसे वीरों को मैं नमन करता हूं। शर्मा ने कहा कि कारगिल के युद्ध में शहीद होने वाले राजस्थान के वीर सपूतों की वीरांगनाओं को भी मैं प्रणाम करता हूं जिन्होंने देश के लिए समर्पण की भावना दिखाते हुए सर्वोच्च त्याग की मिसाल पेश की।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान शहीदों की वीरांगनाओं का शॉल ओढ़ाकर एवं श्रीफल देकर सम्मान किया। इस अवसर पर कारगिल युद्ध में साहस का परिचय देने वाले वीर सैनिकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर सहित भारतीय सेना के उच्चाधिकारी, सैनिक, शहीदों के परिजन एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने शहीदों की शहादत को नमन करते हुए सोशल मीडिया मंच'एक्स' पर लिखा, दुर्गम, दुरूह व अत्यंत विषम मौसम में अपने पराक्रम, निष्ठा व समर्पण से गौरवशाली करगिल विजय को साकार करने वाली भारतीय सेना को नमन।

उन्होंने लिखा, इस गौरवशाली विजय ने न सिर्फ देश की अखंडता व सम्प्रभुता की रक्षा की बल्कि विश्व को भारतीय सेना के पराक्रम से भी अवगत कराया। इस अभियान में बलिदान देने वाले समस्त जवानों को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि। जय हिंद।

कोटा में रहना या नहीं, शांति धारीवाल ने विधानसभा में कहे अपशब्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान को मर्दों को प्रदेश बताकर सुर्खियों में आए पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने आज अपशब्कों का इस्तेमाल किया। दरअसल, नगरीय विकास और आवासन की अनुदान मांगों के दौरान दो पूर्व यूडीएच मंत्रियों के बीच नोकझोंक हो गई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व कोटा उत्तर से विधायक शांति धारीवाल ने भरे सदन में अपशब्द का इस्तेमाल किया। बोलने के समय को लेकर सभापति संदीप शर्मा ने उन्हें टोका तो धारीवाल ने कहा कि कोटा के हो, कोटा में रहना या नहीं। धारीवाल बोल रहे थे तब आसन पर सभापति संदीप शर्मा थे। संदपी शर्मा कोटा दक्षिण से विधायक हैं। उन्होंने समय की दुहाई देकर शांति धारीवाल को अपना वक्तव्य खत्म करने को कहा। इस पर धारीवाल ने 5 मिनट और मांगे। उन्होंने इसमें यह कहते हुए असमर्थता जताई कि आज बोलने वाले सदस्यों की सूची लंबी है। इस पर शांति धारीवाल ने अपशब्द का इस्तेमाल किया। उन्होंने सभापति संदीप शर्मा से कहा कि कोटा से हो, कोटा में रहना है कि नहीं। हालांकि, इस दौरान शांति धारीवाल और सभापति संदीप शर्मा दोनों आपस में मुस्कुराते हुए बात करते नजर आए। सदन में जब शांति धारीवाल अपना वक्तव्य दे रहे थे। तब भी उनके मुंह से अपशब्द निकल गए। उन्होंने कहा कि जिन्होंने गड़बड़ी की है, उन्हें पकड़ो और सस्पेंड करो।

शुक्रवार को सदन में भाजपा के श्रीचंद कृपलानी ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में पट्टों में गड़बड़ी के आरोप लगाए। इस पर धारीवाल ने कहा कि काम करेंगे तो गड़बड़ी होगी। आप जिम्मेदारों को पकड़ो और सस्पेंड करो। निम्बाहेड़ा से भाजपा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने कहा कि कांग्रेस के समय पट्टा वितरण अभियान में गड़बड़ी हुई थी। नगर पालिकाओं के बजट में कटौती की गई वे कंगाल हो गई। हमारी सरकार ने अमानीशाह नाले को करोड़ों रुपए खर्च कर द्रव्यवती नदी में बदला, लेकिन आपने देखरेख नहीं की और जयपुर का सत्यानाश कर दिया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अध्यक्ष को संबोधित कर कहा कि इन्हें (श्रीचंद कृपलानी को) मंत्री बनाओ या नहीं, लेकिन मंत्री वाली कुर्सी पर तो बैठा दो। जबाव में कृपलानी ने कहा कि डोटासरा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को बोलने नहीं देते हैं। उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनना था, लेकिन बन नहीं पाए। शांति धारीवाल ने सदन में कहा कि भाजपा सरकार के सात महीने में कोई काम ऐसा नहीं हुआ है, जिसको उपलब्धि माना जा सके। एक काम बता दो पूरे राजस्थान में। बस एक ही जवाब आता है कि रिव्यू और जांच कर रहे हैं। नगरीय निकायों में काम ठप पड़े हैं। मुख्य सचिव दौरे कर रहे हैं, लेकिन नतीजा कुछ नहीं।

राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा की पांच सीटों पर उपचुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़ को नया प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। वे इस पद पर सांसद सीपी जोशी की जगह लेंगे। इसके साथ ही पार्टी ने अरुण सिंह की जगह सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल को प्रदेश प्रभारी बनाया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने राठौड़ को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दो दिन पहले सांसद सीपी जोशी ने पार्टी आलाकमान से मुलाकात कर प्रदेशाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी।

प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त होने के बाद राठौड़ ने 'एक्स' पर लिखा,मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सब मिलकर भाजपा राजस्थान को नई बुलंदियों पर ले जायेंगे और डबल इंजन की सरकार में विकास की नई गाथा लिखेंगे। उन्होंने लिखा कि भाजपा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष की नयी जिम्मेदारी मिलने के बाद आज भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी जी से शिष्टाचार मुलाकात की। राठौड़ पांच महीने पहले राज्यसभा के सदस्य चुने गए थे। अब पार्टी ने ओबीसी के अपने वोट बैंक को और मजबूत करने के लिए उन्हें प्रदेश भाजपा की नई जिम्मेदारी सौंपी है।

मदन राठौड़ पाली की सुमेरपुर विधानसभा सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं। वह 2013 से 2018 तक सरकार के उप मुख्य सचेतक भी रहे हैं। उनके पास लंबा संगठनात्मक अनुभव है। उन्होंने पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में भी टिकट मांगा था, लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। कुछ महीने बाद ही उन्हें राज्यसभा भेज दिया गया। अब प्रदेश भाजपा की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी मदन राठौड़ को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर बधाई दी है।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा,भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को भाजपा राजस्थान का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने लिखा,निःसंदेह, आपके ऊर्जावान नेतृत्व व कुशल मार्गदर्शन में भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र के साथ प्रदेश में सफलता के नवीन मानक स्थापित करेगी। भाजपा के निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने भी मदन राठौड़ को बधाई दी।

विद्यार्थी को भावी जीवन के लिए समर्थ बनाने वाली शिक्षा हो : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को राज्य में कौशल विकास से जुड़ी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अधिकाधिक प्रसार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को चाहिए कि वे अपने यहां कौशल विकास से जुड़े ऐसे पाठ्यक्रम निर्मित कर उनकी पढ़ाई सुनिश्चित करें जो विद्यार्थियों में मौलिक सोचने की शक्ति विकसित करने के साथ-साथ भावी जीवन के लिए उन्हें समर्थ बना सके। मिश्र राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कौशल शिक्षा को देश के आर्थिक विकास का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए विद्यार्थियों को स्थानीय हुनर में दक्ष करने के अधिकाधिक प्रयास हों।

उन्होंने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा देश में रोजगार क्षमता में तेजी से सुधार लाती है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारी शिक्षा केवल औपचारिक नहीं रहे बल्कि उसका संबंध विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के निर्माण से भी हो। उन्होंने नयी शिक्षा नीति के आलोक में कृत्रिम बुद्धिमता का प्रभावी और सकारात्मक उपयोग करते हुए कार्यात्मक, स्व-प्रबंधन और विशेष ज्ञान कौशल से जुड़ी शिक्षा के विशेष प्रसार का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत 2047' की जो संकल्पना संजोई गई है उसकी पूर्ति भी तभी संभव है जब देश कौशल विकास में सक्षम हो।

राज्य के कौशल विकास मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने करगिल दिवस पर देश के सैनिकों को याद करते हुए शौर्य की भारत की महान परंपरा से युवाओं को प्रेरणा लेते हुए कौशल विकास में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

भरतपुर सहित तीन जिलों में मूसलाधार बारिश

जयपुर। मानसून की सक्रियता से राजस्थान में बारिश का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में बांसवाड़ा, बूंदी, भरतपुर जिले में कहीं-कहीं मूसलाधार बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार आगामी एक सप्ताह मानसून सक्रिय रहने तथा अधिकांश स्थानों पर वर्षा होने की संभावना है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुए 24 घंटों में करौली, टोंक, सवाईमाधोपुर, जयपुर, झालावाड़, कोटा, बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, भरतपुर व नागौर जिले में कहीं-कहीं भारी वर्षा तथा बांसवाड़ा, बूंदी, भरतपुर जिले में कहीं कहीं अति भारी वर्षा दर्ज की गयी है।

इस दौरान सबसे अधिक बारिश बांसवाड़ा के केसरपुरा में 157 मिलीमीटर दर्ज की गई है। मौसम केंद्र के मुताबिक शुक्रवार को उत्तरी बंगाल की खाड़ी व बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल तट पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बन गया है। मानसून 'ट्रफ लाइन' अपने सामान्य अवस्था में है।

भाजपा कार्यकर्ताओं की एकजुटता के दम पर भाजपा जीतेगी दौसा उपचुनाव :दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने दावा करते हुए कहा है कि प्रदेश में दौसा विधानसभा के लिए होने वाले उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं की एकजुटता के दम पर जीतेगी। श्रीमती दीया कुमारी शुक्रवार को यहां भाजपा जिला बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार है और अब प्रदेश में भी हमारी सरकार है जो कि सुशासन, विकास एवं प्रगति को हमेशा प्राथमिकता देती है। कार्यकर्ताओं का सम्मान पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता रहती है। ऐसे में अब हमें मिलकर कमल के फूल को खिलाना है और दौसा विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को जिताना है।

उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि घर घर जाकर केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा आमजन के लिए बजट में की गई घोषणाओं की जानकारी उपलब्ध कराए ताकि आमजन को भी भाजपा एवं कांग्रेस की कार्यशैली में अंतर समझ आ सके। हमको मिलकर एक दूसरे के साथ रहक़र उपचुनाव में दौसा को विजयी बनाना है।

इस अवसर पर दौसा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक एवं प्रत्याशी शंकर लाल शर्मा द्वारा विधानसभा क्षेत्र दौसा से जुड़ी मांगें रखी जिन पर दीया कुमारी ने तत्काल सहमति देते हुए आगामी समय मे प्राथमिकता से कराने की बात कही। इस मौके भाजपा प्रदेश मंत्री (दौसा) भूपेंद्र सैनी, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉक्टर प्रभु दयाल शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष टीकम सिंह गुर्जर, पूर्व विधायक एवं विधानसभा प्रत्याशी शंकर लाल शर्मा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला, दौसा विधानसभा संयोजक महेंद्र तिवारी आदि मौजूद थे।

राज्य सरकार प्रदेश में एमएसपी पर बाजरे की खरीद पर विचार करेगी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बाजरे की खरीद पर विचार करेगी। उन्होंने शुक्रवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान बाजरे की खरीद पर पूछे गए प्रश्न पर स्पष्ट करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस सम्बन्ध में केन्द्र सरकार को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के कार्यकाल में प्रदेश के किसानों के साथ धोखा हुआ और एमएसपी पर बाजरे की फसल की खरीद नहीं की गई। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय में बाजरे के किसानों को 1400 रुपए से 1500 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर अपनी फसल बेचने को मजबूर होना पड़ा, जबकि उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और मध्य प्रदेश के किसानों का बाजरा 2300 रुपए प्रति क्विंटल की दर से बिक रहा था।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जो कहती है वह करके दिखाती है। वर्तमान सरकार के गठन के बाद बाजरे की पहली फसल आएगी। हम किसानों को लाभान्वित करने का पूरा प्रयास करेंगे। इससे पहले खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बाजरे के उत्पादन और खरीद के सम्बन्ध में सदस्य डॉ. ऋतु बनावत द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्न के जवाब में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीअन्न को देश-विदेश में बढ़ावा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार भी श्रीअन्न को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए तत्पर है। हमारी सरकार के समय में गेहूं के समर्थन मूल्य पर 125 रुपए प्रति किंव्टलअतिरिक्त बोनस देने, किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 650 करोड़ रुपए देने, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी करने एवं कृषि कनेक्शन जारी करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लम्बे समय से प्रदेश में एमएसपी पर बाजरे की खरीद नहीं की गई है, लेकिन हमारी सरकार इस पर गम्भीरता से विचार करेगी।

इससे पहले खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि प्रदेश में वर्ष 2022.23 में 59 लाख 18 हजार 718 टन एवं 2023.24 में 43 लाख 82 हजार 760 मैट्रिक टन बाजरे का उत्पादन हुआ। उन्होंने बताया कि खरीफ विपणन सीजन वर्ष 2022.23 एवं 2023.24 के दौरान प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बाजरा खरीद का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया। बाजरे का लक्ष्य निर्धारित नहीं होने से खरीद नहीं हुई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में आने वाली खरीफ फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

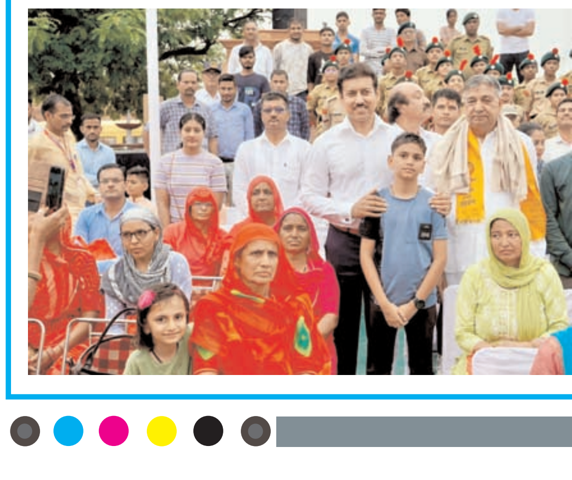

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सैनिक परिवार की वीरांगनाओं को किया सम्मानित

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति पर मातृभूमि की रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर बलिदानियों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान युद्ध में शहीद हुए सैनिक परिवार के आश्रितों व वीरांगनाओं को सम्मानित किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कारगिल विजय दिवस पर सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और समर्पण का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे देश की सेनाएं दुश्मनों को जवाब दे रही है।

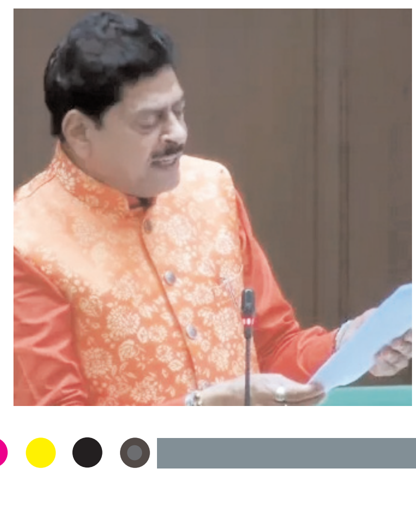

गुलामी की मानसिकता बदली जाए : गोपाल शर्मा

जयपुर। सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने शुक्रवार को विधानसभा में नगरीय विकास पर चर्चा के दौरान जयपुर के प्रमुख मार्गों, इमारतों, कॉलोनियों के नाम बदलने की मांग की। उन्होंने कहा कि मैं मांग करता हूँ कि जयपुर को आजादी के आंदोलन से अलग रखने का षड्यंत्र रचने वाले और पूंजीपतियों के गुलाम मिर्जा ईस्माइल वाले रोड का नाम बदलकर भगवान गोविंददेव मार्ग, रामगंज को प्रभु रामगंज, अल्बर्ट हॉल म्यूजियम को सवाई रामसिंह संग्रहालय, किंग एडवर्ड मेमोरियल यादगार को गिरधारीलाल भार्गव भवन, चौगान स्टेडियम को भंवरलाल शर्मा स्टेडियम और मेरे क्षेत्र सिविल लाइंस से जुड़े हटवाड़ा को हरिपुरा, हसनपुरा को संत रविदास नगर और भारत जोड़ो सेतु का नाम बदलकर विकसित भारत सेतु किया जाना चाहिए। भट्टा बस्ती को संत कबीर बस्ती किया जाना चाहिए। इसके साथ ही गोपाल शर्मा ने जयपुर एयरपोर्ट का नाम राजस्थान में लोकतंत्र को स्वर देने वाले अंत्योदय के जनक और प्रतिपक्ष के पुरोधा, राज्यसभा सदस्य, 10 बार विधायक दल के नेता, 3 बार मुख्यमंत्री और उपराष्ट्रपति रह चुके 'शेर ए राजस्थान' भैरोंसिंह जी शेखावत के नाम पर रखने की पहल की।

राज्यसभा में सभापति धनखड़ ने कार्यस्थगन प्रस्ताव को लेकर सत्ता पक्ष के सदस्यों को लिया आड़े हाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के कुछ सदस्यों द्वारा कर्नाटक में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर नियम 267 के तहत चर्चा कराए जाने पर जोर दिए जाने के कारण उन्हें आड़े हाथ लेते हुए कहा कि सभापति द्वारा इस बारे में स्पष्ट व्यवस्था दिए जाने के बावजूद आसन पर दबाव बनाना ठीक नहीं है। उच्च सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद शून्यकाल में सभापति धनखड़ ने कहा कि उन्हें आज भाजपा सदस्य ईरण्ण कडाडी, सुधांशु त्रिवेदी, नरेश बंसल और बृजलाल के नियम 267 के तहत चार नोटिस मिले हैं। नोटिस कर्नाटक में महर्षि वाल्मीकि अजजा कार्पोरेशन में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मिले हैं। उन्होंने कहा कि यह सभी नोटिस नियम 267 के बारे में उनके द्वारा दिए गए स्पष्ट निर्देशों की स्पष्ट अनदेखी है। सभापति ने कहा कि उन्होंने इस बारे में सदन में स्पष्ट व्यवस्था दी थी और उसके बाद पिछले दो दिन कार्य स्थगन प्रस्ताव के कोई नोटिस नहीं आए।

धनखड़ ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि सत्ता पक्ष के सदस्य कडाडी ने एक ऐसे मुद्दे पर नियम 267 के तहत नोटिस दिया जिसे वह

शून्यकाल में पहले ही उठा चुके हैं। उन्होंने कहा कि कोई मुद्दा सदस्यों के लिए अति महत्वपूर्ण हो सकता है, फौरी महत्व का हो सकता है किंतु इसका अर्थ नहीं है कि इसे नियम 267 के तहत सदन में उठाए। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष के कई सदस्यों द्वारा शोरशराबा करने के बीच सभापति ने संसदीय कार्यमंत्री किरेन रीजीजू को बोलने का अवसर दिया। रीजीजू ने कहा कि यद्यपि सभापति ने नियम 267 के नोटिसों के बारे में स्पष्ट व्यवस्था दी है किंतु यह एक अत्यंत महत्व का विषय जिससे कुछ सदस्य आंदोलित हैं और इसीलिए उन्होंने यह नोटिस दिया। सभापति ने रीजीजू को टोकते हुए कहा कि वह नोटिस पर न बोलें क्योंकि ठीक इसी तरह उन्होंने पूर्व में सदन में नेता प्रतिपक्ष को भी इसी कारण नहीं बोलने दिया था। इसके उपरांत सत्ता पक्ष के सदस्य शांत होकर बैठ गए तथा विभिन्न सदस्यों ने आसन की अनुमति से शून्यकाल में लोक महत्व के विषय उठाने शुरू कर दिए। सभापति ने बाद में शून्यकाल के दौरान कडाडी को कर्नाटक में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बोलने का अचसर दिया।

अन्नदाता की इज्जत कीजिये, उसकी सेवा कीजिये, हंगामा कर उसका अपमान मत कीजिये : धनखड़

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में शुक्रवार को किसानों को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के जवाब को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे पर नाराजगी जाहिर करते हुए सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा ''अन्नदाता की इज्जत कीजिये, उसकी सेवा कीजिये, हंगामा कर उसका अपमान मत कीजिये।

उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर पूछे गए एक पूरक प्रश्न का कृषि मंत्री चौहान ने जवाब दिया। उनके जवाब पर असंतोष जताते हुए विपक्षी सदस्यों ने कहा कि अगर किसानों के कल्याण के लिए पर्याप्त कदम उठाए जा रहे हैं तो उनकी आत्महत्या के मामले थम क्यों नहीं रहे हैं।

कुछ सदस्यों ने सरकार पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाया। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने इस पर विरोध जताया और फिर सदन में हंगामा होने लगा। सभापति जगदीप धनखड़ ने सदस्यों से शांत रहने की अपील की।

कांग्रेस शासन में केवल घोटाले हुए, मोदी ने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया: वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उसके नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार पर सशस्त्र बलों की जरूरतों को नजरअंदाज करने और उन्हें आयात पर निर्भर बनाने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को आत्मनिर्भरता की राह पर ले जा रहे हैं।

पत्रकारों को यहां संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने संरचनात्मक सुधारों की शुरुआत कर, रक्षा उपकरणों के स्वदेशी उत्पादन को प्राथमिकता देकर और निर्यात को प्रोत्साहित करके रक्षा क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। सूचना और प्रसारण मंत्री वैष्णव ने कहा, कांग्रेस शासन के दौरान रक्षा मंत्री सीमा पर सड़कों के निर्माण की आवश्यकता पर सवाल उठाते थे, लेकिन नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सशस्त्र बलों के लिए 6,800 किलोमीटर से अधिक सड़कें बनाई गई हैं।

मंत्री ने कहा कि 10 साल पहले भारत 'बुलेट प्रूफ जैकेट' के लिए आयात पर निर्भर था, लेकिन मोदी सरकार के तहत देश आत्मनिर्भर बन गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां अब तोपें बना रही हैं और दूसरे देशों को निर्यात भी कर रही हैं।

मंत्री ने कहा कि भारत में रक्षा उत्पादन एक लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है और देश में निर्मित रक्षा उपकरण 80 देशों को निर्यात किए गए हैं। वैष्णव ने कहा, कांग्रेस शासन में केवल घोटाले हुए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमेशा राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर काम किया है।

कांवड़ के दौरान भोजनालयों पर नाम संबंधी निर्देश 'संभावित भ्रम' से बचने के लिए : उत्तर प्रदेश सरकार

नई दिल्ली/भाषा। उप्र सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों को मालिकों और कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने के निर्देश का बचाव करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य पारदर्शिता लाना, संभावित भ्रम से बचना व शांतिपूर्ण यात्रा सुनिश्चित करना है। उच्चतम न्यायालय ने उप्र और उत्तराखंड सरकारों द्वारा जारी इन निर्देशों पर अंतरिम रोक लगा दी थी। दोनों राज्य सरकारों के निर्देशों को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाबी हलफनामें में उप्र सरकार ने कहा, यह ध्यान देने योग्य है कि निर्देशों के पीछे का विचार यात्रा की अवधि के दौरान कांवड़ियों द्वारा खाए जाने वाले भोजन के संबंध में पारदर्शिता और सूचित विकल्प प्रदान करना है।

पुरानी पेंशन व्यवस्था अब मुमकिन नहीं: वित्त सचिव सोमनाथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त सचिव टीवी सोमनाथन ने कहा है कि पुरानी पेंशन व्यवस्था अब वित्तीय रूप से मुमकिन नहीं है और इसे लाना देश के उन नागिरकों के लिए नुकसानदेह होगा, जो सरकारी नौकरी में नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एनपीएस (नई पेंशन प्रणाली) को लेकर कर्मचारी संगठनों और राज्य सरकारों से कुछ सार्थक बातचीत हुई है।

सोमनाथन ने कहा कि सरकार देश में युवाओं को रोजगार के काबिल बनाने के मकसद से उन्हें कंपनियों में प्रशिक्षण देने की सुविधा के अलावा 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) को आधुनिक रूप भी देगी। सोमनाथन ने 'पीटीआई-भाषा' से विशेष बातचीत में कहा, एनपीएस पर बनी समिति का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। हमने इस बारे में कर्मचारी संगठनों और राज्य सरकारों से बातचीत की है। इसमें कुछ प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, कर्मचारियों की कुछ चिंताएं हैं। पहला, उनका कहना है कि यह नई योजना है। एनपीएस शेयर बाजार से जुड़ा है, हमें उतार-चढ़ाव नहीं चाहिए। उनका कहना है कि यह स्पष्ट हो कि कितनी पेंशन मिलेगी। दूसरा, उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद जो भी पेंशन मिले उसमें महंगाई से निपटने का भी कुछ प्रावधान यानी डीए (महंगाई भत्ता) जैसी कोई व्यवस्था चाहिए। ऐसा नहीं होने पर पेंशन का वास्तविक मूल्य घटता जाएगा। तीसरा, अगर किसी ने पूरी नौकरी यानी 30 साल तक काम नहीं किया है, उसके लिए कुछ न्यूनतम पेंशन तय की जाए। ये ऐसे मामले हैं, जिस पर हमें निर्णय लेना है। उन्होंने कहा, लेकिन एक बात बिल्कुल साफ है कि

पुरानी पेंशन व्यवस्था वित्तीय रूप से मुमकिन नहीं है। पुरानी पेंशन लाना देश के उन नागिरकों के लिए नुकसानदेह होगा, जो सरकारी नौकरी में नहीं हैं। वित्त मंत्रालय ने पिछले साल सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन योजना की समीक्षा करने और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में जरूरत के हिसाब से बदलाव का सुझाव देने के लिए वित्त सचिव की अगुवाई में एक समिति का गठन किया था।

एक सवाल के जवाब में सोमनाथन ने कहा, बजट में महत्वपूर्ण रोजगार पर जोर देना है। एक तरफ जहां वित्तीय सहायता के जरिये रोजगार सृजन पर जोर है वहीं दूसरी तरफ रोजगार गहन क्षेत्र एमएसएमई और कौशल विकास के लिए कदम उठाए गए हैं। कौशल विकास के तहत हम देश में युवाओं को रोजगार के काबिल बनाने के मकसद से उन्हें कंपनियों में प्रशिक्षण देने की सुविधा के अलावा 1,000 आईटीआई को आधुनिक बनाएंगे।

इस बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, कौशल विकास के तहत केंद्र, राज्य और उद्योग के सहयोग से आईटीआई को आधुनिक रूप दिया जाएगा। उद्योग में जो आधुनिक मशीनरी, कामकाज का तरीका है उसे आईटीआई में शामिल किया जाएगा। अच्छे प्रशिक्षकों को भी जोड़ा जाएगा। इसका मकसद बेहतर प्रशिक्षण देना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस सप्ताह मंगलवार को पेश बजट में संगठित क्षेत्र में आने वाले नए कामगारों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के जरिये तीन योजनाओं की घोषणा की। रोजगार को बढ़ावा देने के मकसद से लाई गईं इन योजनाओं के लिए कुल 1.07 लाख करोड़ रुपए का निर्धारण किया गया है। इससे अगले पांच साल में 2.90 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय बजट युवाओं और किसानों के खिलाफ: कांग्रेस सांसद

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद जयप्रकाश ने शुक्रवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा पेश बजट 'युवा विरोधी और किसान विरोधी' है जिसे अमीरों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह सवाल भी किया, हरियाणा ने क्या कसूर किया था कि इस बजट में उसकी अनदेखी की गई?'' जयप्रकाश ने कहा, इस बजट में किसान, नौजवान और संविधान के लिए कुछ नहीं है। यह सिर्फ धनवानों के लिए बनाया गया। उनका कहना था, जब आप (सरकार) सबका साथ, सबका विकास की बात करते हैं तो हरियाणा ने क्या कसूर कर दिया था? हरियाणा प्रदेश इस देश का हिस्सा है या अलग है? '' उन्होंने दावा किया कि इस सरकार ने किसानों के साथ बेईमानी की है। कांग्रेस सांसद ने कहा, इस बजट को मैं किसान विरोधी और नौजवान विरोधी की संज्ञा देता हूं। समाजवादी पार्टी के सांसद छोटेलाल ने दावा किया कि अगले विधानसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश से भाजपा की सरकार जाने वाली है और उनकी पार्टी की सरकार बनेगी।

ओडिशा में विपक्ष ने रथ यात्रा के दौरान कुप्रबंधन का आरोप लगाकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने शुक्रवार को राज्य की भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि इस महीने पुरी में आयोजित भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में गंभीर कुप्रबंधन रहा। विधानसभा में कार्य स्थगन प्रस्ताव पर बहस की शुरुआत करते हुए कांग्रेस विधायक दल के नेता रामचंद्र कदम ने दावा किया कि भगवान जगन्नाथ के नाम पर सत्ता में आई भाजपा ने भगवान बलभद्र की 'पहांडी' (पारंपरिक शोभायात्रा) की रस्म के दौरान हुई घटना को छिपाने की कोशिश की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि नौ जुलाई को गुंडिचा मंदिर के अदपा मंडप में रथ से ले जाते समय भगवान बलभद्र की मूर्ति गिर गई थी।

बीजद विधायक ब्योमकेश रे ने भी भाजपा सरकार की आलोचना की और उस पर रथ यात्रा को ''पार्टी कार्यक्रम'' की तरह मनाने का आरोप लगाया। कानून मंत्री और जगन्नाथ मंदिर के मुख्य प्रशासक दोनों की अनुपस्थिति की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान बलभद्र की मूर्ति 'पहांडी' की रस्म के दौरान गिर गई थी। बीजद विधायक ने आरोप लगाया कि कुप्रबंधन के कारण एक श्रद्धालु की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने यह भी दावा किया कि कानून मंत्री के कुछ रिश्तेदार रथ पर चढ़ गए थे।

अदालत से लौटते समय राहुल गांधी मोची की दुकान पर रुके, जाना उसका हालचाल

सुल्तानपुर (उप्र)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को सुल्तानपुर से लखनऊ लौटते समय शहर के बाहरी इलाके के विधायक नगर में एक मोची की दुकान पर रुके और उसका हालचाल जाना। राहुल गांधी मानहानि के एक मामले में सुल्तानपुर की अदालत में पेश होने आए थे।

मोची राम चेत ने बताया कि वह कांग्रेस नेता के अपनी दुकान पर आने से प्रसन्न और हतप्रभ थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिना किसी पूर्व सूचना के लगभग आधे घंटे तक उनकी दुकान पर रुके और उनके परिवार और उनके काम में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली।

रामचेत ने बताया कि उन्होंने राहुल गांधी को शीतल पेय की पेशकश की और दोनों ने साथ शीतल पेय पिया और बातचीत की। रामचेत के मुताबिक उन्होंने राहुल गांधी को अपनी मामूली आय के बारे में बताया और काम को आगे बढ़ाने के लिए सहायता मांगी।

रामचेत ने दावा किया, राहुल गांधी ने कहा कि वे देखेंगे कि वे उनके लिए क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने राहुल गांधी को टीवी पर देखा था और उन्हें अपनी दुकान पर देखकर हतप्रभ थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मानहानि के एक मामले में शुक्रवार को सुल्तानपुर की सांसद-विधायक (एमपी/एमएलए) अदालत में पेश हुए और अपना बयान दर्ज कराया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता विजय मिश्र ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बेंगलूरु में 2018 में भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष और वर्तमान गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए चार अगस्त 2018 को मानहानि का मामला दर्ज कराया था।

किसानों की समस्या पर गंभीरता से गौर नहीं किया गया तो देश में तनाव बढ़ेगा : सपा

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी सदस्य रामजी लाल सुमन ने शुक्रवार को आम बजट को 'निराशाजनक' करार देते हुए सरकार पर कृषि क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर किसानों की समस्या पर गंभीरता से गौर नहीं किया गया तो देश में तनाव बढ़ेगा तथा इसकी जिम्मेदारी सरकार पर होगी।

राज्यसभा में आम बजट 2024-25 पर हुई चर्चा में हिस्सा लेते हुए सपा के वरिष्ठ सदस्य ने किसानों को समृद्ध करने के लिए सार्थक प्रयास की जरूरत पर बल दिया और कहा अगर सरकार सही मायनों में किसानों के साथ इंसाफ करना चाहती है तो 'जीएसटी' को जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य का ऐलान करना चाहिए। उन्होंने कहा, आज भी देश की आधी से ज्यादा आबादी कृषि पर निर्भर है। यह सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र भी है। कहने को तो कुछ भी कहा जाता है लेकिन मेरा आरोप है कि कृषि की उपेक्षा हुई। सुमन ने कहा कि साल 2019-20 के बजट में बजट का 5.44% कृषि पर आवंटित किया था और इस बजट में यह आवंटन 3.5 प्रतिशत है।

नीति आयोग को खत्म कर योजना आयोग को बहाल करना चाहिए: ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग की 27 जुलाई को होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली आईं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व सरकार द्वारा लाए गए नीति आयोग को खत्म कर योजना आयोग को बहाल किया जाना चाहिए।

बनर्जी नीति आयोग की बैठक में भाग लेंगी, हालांकि 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के शासन वाले कुछ राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इसमें भाग नहीं लेने का निर्णय लिया है। बनर्जी ने कहा, उन्होंने (भाजपा ने) सरकार तो बना ली है, लेकिन उनके पास जनादेश नहीं है। 2014 के बाद भाजपा के सत्ता में आने के बाद यह पहली बार है कि उन्होंने अकेले पार्टी के रूप में सरकार नहीं बनाई है। बनर्जी ने कहा कि अपनी

''मजबूरियों'' के कारण, भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने ''राजनीतिक रूप से बहुत पक्षपाती बजट'' पेश किया है, जिसने विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों को उनके अधिकारों से ''वंचित'' कर दिया है। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि कम से कम एक साझा मंच पर इस आवाज को उठाना मेरा कर्तव्य है, हालांकि मुझे पता है कि नीति आयोग के पास कोई वित्तीय शक्तियां नहीं हैं। बनर्जी ने कहा, जब से नीति आयोग की योजना बनी, मैंने एक भी काम होते नहीं देखा है, क्योंकि उसके पास कोई शक्ति नहीं है। पहले योजना आयोग था।

हम एशिया कप फाइनल में भी इसी लय को जारी रखना चाहते हैं : रेणुका सिंह

दाम्बुला/भाषा। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने कहा कि भारतीय टीम अभी तक महिला एशिया कप में निरंतर क्रिकेट खेल रही है और फाइनल में भी इसी लय को जारी रखते हुए रविवार को ट्राफी उठाना चाहेगी।

भारत ने शुक्रवार को यहां सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 10 विकेट से रौंदकर फाइनल में जगह बनायी जिसमें 'प्लेयर ऑफ द मैच' रेणुका ने चार ओवर में एक मेडन से 10 रन देकर तीन विकेट का शानदार स्पैल डाला। रेणुका ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम अच्छा और निरंतर क्रिकेट खेलना चाहते हैं जैसा हम अभी तक टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। उम्मीद है कि हम

एशिया कप जीतने में कामयाब होंगे। भारत खिताबी भिड़ंत में पाकिस्तान और मेजबान श्रीलंका के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता के सामने होगा। उन्होंने कहा, यह मायने नहीं रखता कि हम फाइनल में किसके खिलाफ खेल रहे हैं। हमें सिर्फ अपने मजबूत पक्ष पर ध्यान लगाए रखने की जरूरत है। हमारी योजना एक बार में एक मैच पर ध्यान लगाना है।

बोपन्ना को निराश नहीं करना चाहते हैं श्रीराम बालाजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। मृदुभाषी एन श्रीराम बालाजी अपनी बातों या अपने काम से किसी को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते और अब वह ओलंपिक में अपने सीनियर टेनिस जोड़ीदार रोहन बोपन्ना को भी निराश नहीं करना चाहते हैं।

बोपन्ना (44 वर्ष) ने बालाजी की काबिलियत पर अपार भरोसा दिखाया और उन्हें पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना। इसलिए बालाजी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के साथ बड़े मंच का दबाव महसूस नहीं करना अहम है। उन्हें अपने खेल में सहज होने और अपना स्वाभाविक खेल खेलने की जरूरत है। दोनों को तैयारियों के

लिए दो टूर्नामेंट में खेलना था लेकिन वे 'उमग एटीपी' टूर्नामेंट में नहीं खेले। पर बोपन्ना और बालाजी ने इस समय का इस्तेमाल पेरिस ओलंपिक की टेनिस स्पर्धाओं के स्थल रोलां गैरों पर अभ्यास करने के लिए किया जिससे दोनों को एक-दूसरे के खेल और मजबूत पक्ष को बेहतर ढंग से जानने में मदद मिली। भारतीय टेनिस टीम के साथ आए कोच बालाचंद्रन ने पीटीआई से कहा, पिछले कुछ दिन एक-दूसरे के बारे में जानने के बारे में रहे हैं। उन्होंने कहा, बालाजी थोड़े शर्मिले हैं। इस स्तर पर बोपन्ना को मुझसे कोचिंग की जरूरत नहीं है। लेकिन हमें सुनिश्चित करने की जरूरत है कि बालाजी सहज रहें और आत्मविश्वास से भरे रहें। अगर वह अहम मौके पर असहज हो गए तो क्या होगा? '' बालाचंद्रन पिछले दो वर्षों में बालाजी के साथ काम कर चुके हैं, उन्होंने कहा, वह हर काम 'परफेक्ट' तरीके से करना चाहते हैं और रोहन एक शानदार 'मेंटोर' हैं। अगर बालाजी कोई गलती भी करते हैं या अगर वह अभ्यास में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं तो भी रोहन उससे ज्यादा कुछ नहीं कहेंगे। अगर वह नाराज भी होते हैं तो भी वह जाहिर नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, वह बालाजी को प्रोत्साहित करते रहेंगे और उसका मार्गदर्शन करते रहेंगे। यह एक शानदार नेतृत्वकर्ता की निशानी है।

भारत को खेल महाशक्ति बनाने के लिए हमें और नायक बनाने की जरूरत है : विजेंदर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुक्केबाज से नेता बने विजेंदर सिंह का मानना है कि अगर भारत को 2047 तक खेल महाशक्ति बनना है तो उसे क्रिकेट से इतर और नायकों की जरूरत है जो भावी पीढ़ियों को प्रेरित कर सकें।

पूर्व ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता विजेंदर का मानना है कि ये नायक ज्यादा से ज्यादा युवाओं को खेल को पेशे के तौर पर अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। भाजपा नेता विजेंदर ने यहां पीटीआई के मुख्यालय में

संपादकों से बातचीत में यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार का 2047 तक भारत को खेल महाशक्ति बनाने का लक्ष्य यथार्थवादी है तो उन्होंने कहा, हमें इस संस्कृति में बदलाव के लिए नायक बनाने होंगे। उन्होंने बेंगलूरु ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा का जिक्र करते हुए कहा, पिछले कुछ साल में हमारे युवाओं, विशेषकर ग्रामीण इलाकों के युवाओं में अच्छा प्रदर्शन करने की भूख बढ़ती जा रही है। जब वे नीरज चोपड़ा को देखते हैं तो वे उनके जैसा बनना चाहते हैं। वे वह सब कुछ पाना चाहते हैं जो उनके पास है और यही उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। विजेंदर ने कहा, जब मैंने शुरुआत की थी तो मैं केवल एक सरकारी नौकरी चाहता था। लेकिन आज एथलीट और अधिक चाहते हैं। भिवानी के इस मुक्केबाज ने यह भी कहा कि समग्र प्रगति सुनिश्चित करने के लिए देश के खेल बुनियादी ढांचे में सुधार महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हमारे पास अच्छा बुनियादी ढांचा या अच्छे स्टेडियम नहीं हैं। अगर हम गंभीर हैं तो हमें इसमें सुधार करने की जरूरत है। आप सिर्फ एक क्रिकेट स्टेडियम बनाकर नहीं छोड़ सकते। आपको अन्य खेलों के लिए भी ट्रेनिंग सेंटर बनाने की जरूरत है।

सुविचार

खरीद सकते तो उसे ज़िन्दगी बेच कर खरीद लेते, पर कुछ लोग कीमत से नहीं किस्मत से मिला करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'छद्म युद्ध' की चुनौतियां

कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस युद्ध के नायकों को नमन करते हुए जिस तरह पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया, उसकी चर्चा इस्लामाबाद में तो होगी ही, रावलपिंडी (जहां पाक फौज का मुख्यालय है) में जरूर होगी। प्रधानमंत्री ने सत्य कहा कि 'पाकिस्तान ने इतिहास से कोई सबक नहीं सीखा और वह स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए आतंकवाद की आड़ में छद्म युद्ध जारी रखे हुए है।' पाकिस्तान कोई सबक सीखे या न सीखे, कारगिल युद्ध और उसके बाद हुईं विभिन्न घटनाओं को ध्यान में रखते हुए हमें ऐसी रणनीति पर काम करना होगा, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को अधिक मजबूत बनाया जा सके। निस्संदेह कारगिल युद्ध के अनुभव के बाद सरकारों ने ऐसे कई बदलाव किए, जिनसे देश अधिक सुरक्षित हुआ, लेकिन आज भी आतंकवादी घटनाओं में हमारे जवान शहीद हो रहे हैं। यह बहुत गंभीर चिंता का विषय है। हाल में जम्मू-कश्मीर में जिस तरह आतंकवादी घटनाओं में जवान शहीद हुए, उससे यह संकेत जरूर मिलता है कि आतंकियों और उनके आकाओं का दुस्साहस काफी बढ़ गया है। जब भारत ने कारगिल युद्ध में पाकिस्तान को पटखनी दी थी तो सरहद पार दुश्मन के खेमे में सन्नाटा छा गया था। साल 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और साल 2019 की एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान के होश फाख्ता हो गए थे। उसे यह बात समझ में आ चुकी थी कि अगर उसने एक और बड़ा आतंकी हमला किया तो भारत की ओर से बहुत बड़े स्तर पर जवाबी कार्रवाई होगी।

कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कोई बहुत अच्छी नहीं थी, लेकिन इतनी बदहाल भी नहीं थी, जितनी आज है। पाकिस्तान आमने-सामने की लड़ाई में न पहले कहीं टिकता था और न आज टिक सकता है। कारगिल युद्ध और उससे पहले जितने भी युद्ध हुए, उस दौरान पाकिस्तान के फौजी नेतृत्व को यह ग़लतफ़हमी थी कि वह विदेशी आक्रांताओं की तर्ज पर हमला करते हुए कब्जा कर लेगा। हालांकि कारगिल युद्ध में पाकिस्तान की भारी शिकस्त के बाद रावलपिंडी को यह बात भलीभांति समझ में आ गई कि अब आमने-सामने की लड़ाई का वक्त चला गया। इसके बाद उसने 'छद्म युद्ध' का तेजी से सहारा लेना शुरू कर दिया। पाकिस्तान की ओर से आतंकवादियों की घुसपैठ, गोलीबारी, बम धमाके, भारत की नकली मुद्रा खपाने की कोशिश, हवाला नेटवर्क, सोशल मीडिया के जरिए हनीट्रैप, ड्रोन उड़ाकर हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी, फर्जी खबरों का प्रसार कर अलगाववाद को बढ़ावा देना ... जैसी हरकतें इसी का हिस्सा हैं। इनमें परंपरागत युद्धों की तुलना में खर्च बहुत कम आता है, जबकि नुकसान बहुत भारी पहुंचाया जा सकता है। हमें कारगिल के उन योद्धाओं को नमन करते हुए भविष्य की सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा। भारत की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान की ओर से तो खतरा है ही, चीन की ओर से भी बड़ा खतरा है, जिस पर कम बातचीत होती है। गलवान भिड़ंत और एलएसी पर कई बार टकराव के बाद चीन के नापाक मंसूबे खुलकर सामने आ चुके हैं। पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ करने वाले कई आतंकवादियों के कब्जे से चीनी हथियार और तकनीकी उपकरण मिल चुके हैं। भविष्य में ये नापाक ताकतें हमें नुकसान पहुंचाने के लिए पूरा जोर लगाएंगी। इसके मद्देनज़र ज़रूरी है कि इनकी हरकतों का खूब आक्रामकता से जवाब दिया जाए। सुरक्षा बलों का तेजी से आधुनिकीकरण करते हुए ऐसे तरीके ईजाद किए जाएं, जिनसे दुश्मन को उसकी चालों में ही फंसा दिया जाए। आम जनता को समय-समय पर दुश्मन की साजिशों से अवगत कराया जाए। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जाए। आर्थिक दृष्टि से अधिक शक्तिशाली भारत अपने दुश्मनों पर और ज्यादा शक्ति के साथ प्रहार कर सकेगा।

ट्वीटर टॉक

लद्दाख में भी विकास की नई धारा बनी है। शिनखुन ला टनल के निर्माण का काम आज शुरू हुआ है। इसके जरिए लद्दाख पूरे साल, हर मौसम में देश से लेपपशलींशव रहेगा। ये टनल लद्दाख के विकास और बेहतर भविष्य के लिए नई संभावनाओं का नया रास्ता खोलेगी।

-नरेन्द्र मोदी

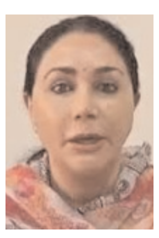

अल्बर्ट हॉल म्यूजियम को धरोहर संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के साथ सुसज्जित करना हमारा लक्ष्य है, जिससे जयपुर आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलें और साथ ही युवा पीढ़ी राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत के प्रति आकर्षित हो।

-दीया कुमारी

आज विधानसभा में चित्तौड़गढ़ से पधारे गायरी समाज के प्रतिनिधिमंडल से सौजन्य भेंट की। समाज के उत्थान हेतु समाहित विविध प्रावधानों के लिए प्रतिनिधिमंडल के मान्यवर सदस्यों ने राज्य सरकार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की, जिसके लिए आप सभी का अभिनंदन प्रकट करता हूं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

चींटियों से प्रेरणा

एक व्यक्ति के कई लड़के थे, सभी बहुत चतुर। लेकिन वे सभी अपने को बुद्धिमान मानते थे। कुशलता पर अहंकार करते और एक-दूसरे से बात-बात में टकराते रहते थे। पिता ने उनका अहंकार उतारने की सोची। पिता ने एक कटोरी चीनी और मिट्टी मिलाकर वहां रख दी, जहां चींटियों का बिल था। लड़कों को बुलाकर कहा-वे लोग चीनी और मिट्टी के कण अलग-अलग कर दें। लड़के लगे रहे। बहुत समय बीत जाने पर भी अभी चौथाई काम नहीं निपटा और चले गए। रात गए व्यक्ति लौटा तो उनसे उसे चीनी व मिट्टी को अलग करने के काम को निपटाने की बाबत पूछताछ की। लड़कों ने अज्ञानता प्रकट कर दी। पिता वहां गया जहां सम्मिश्रण बिखरा पड़ा था। देखा तो उसमें से चीनी नदारद। पिता ने पूछा-बताओ तुम में से किसने चीनी निकाली। लड़कों ने फिर अपनी गैरजानकारी व्यक्त कर दी। पिता ने कहा-देखो, उसे छोटी-सी चींटियां मिल-जुलकर बीन ले गईं। तुम्हारे पास चींटी जितनी भी अक्ल नहीं है। उनकी तरह मिल-जुलकर काम नहीं कर सकते। लड़कों को अपने अहंकार का अहसास हुआ।

सामयिक

रोजगार के मोर्चे पर गंभीर कदम उठाने की जरूरत

डॉ. आशीष वशिष्ठ
मोबाइल : 94510 05200

आजादी से लेकर वर्तमान समय तक जिन बीमारियों और समस्याओं ने हमारा पीछा नहीं छोड़ा या ये कहें कि जिन समस्याओं का हम ठोस हल खोज नहीं पाये, उस सूची में बेरोजगारी भी शामिल है। केंद्र में लगभग छह दशक कांग्रेस की सरकार ने शासन किया। बाकी समय में अन्य दलों और पिछले दस सालों से भाजपानीत एनडीए की सरकार सत्ता में है। लेकिन बेरोजगारी का मुद्दा हर सरकार के सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़ा रहता है। सरकारें आश्वसान देती हैं, अपने-अपने हिसाब से रोजगार का प्रबंध करती है। लेकिन जितनी नौकरियां दी जाती हैं, उससे दस गुणा ज्यादा नौकरी मांगने वाले लाइन में खड़े दिखाई देते हैं। जमीनी हकीकत तो यह है कि युवाओं को रोजगार देना अब सरकारों के लिए चुनौती भरा काम होता जा रहा है।

आज देश में बेरोजगारी की मार से युवा किस कदर जूझ रहा है इसका अनुमान बीते दिनों मुंबई एयरपोर्ट पर उमड़ी बेरोजगारों की फौज से ही लगाया जा सकता है। एयरपोर्ट पर महज बीस हजार रुपए मासिक वेतन वाली नौकरी के लिए पच्चीस हजार युवा पहुंच गए जबकि महज 2200 पदों पर भर्ती होनी थी। बीती फरवरी में यूपी पुलिस में कांस्टेबल के 60 हजार 244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए 50 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने आवेदन किया। देखा जाए तो बेरोजगारी की भयावहता की ऐसी तस्वीर अकेले मुम्बई या यूपी में नहीं है। देश भर में कहीं भी सरकारी महकमों के लिए भर्ती निकाली जाती है तो आवेदन करने वालों की भीड़ 'एक अनार सौ बीमार' की तरह ही उमड़ पड़ती है।

बेरोजगारी की समस्या इतनी गंभीर है कि महज दसवीं पास योग्यता के लिए जो भर्ती निकाली जाती है उसमें पोस्ट ग्रेजुएट और इंजीनियरिंग व प्रबंधन का अध्ययन करने वाले युवा भी आवेदकों में शामिल होते हैं। इनमें भी कुछ किस्मत वाले ही होते हैं जो नौकरी पाने में कामयाब होते हैं। हालांकि एक पहलू यह भी है कि सरकारी नौकरियों में सीमित अवसर होने लगे हैं लेकिन उम्मीदवारों की सरकारी नौकरी पाने की चाहत बढ़ने लगी है। खासकर उत्तर भारत में सरकारी नौकरी को लेकर युवाओं में ज्यादा क्रेज है। सरकारी नौकरी के लिए निर्धारित आयु सीमा के पार होने के भी खतरे कम नहीं। निराश-हताश युवा निजी क्षेत्र में काम तलाशता है, पर वहां भी उसे योग्यता के अनुरूप वेतन मिल जाए इसकी कोई गारंटी नहीं। बेरोजगारों के लिए सरकारें बेरोजगारी भत्ता जैसी योजनाएं भी शुरू करती हैं। हाल ही महाराष्ट्र सरकार ने भी बेरोजगारों को प्रति माह छह से दस हजार रुपए स्टाइपंड देने का ऐलान किया है, पर यह कोई स्थायी समाधान नहीं कहा जा सकता। हालत यह है कि बजट घोषणाओं में वाहवाही लूटने के लिए सरकारें युवाओं को रोजगार देने की जो घोषणाएं करती हैं उन्हें पूरा ही नहीं कर पातीं। बाद में सरकारें रोजगार और रोजगार के अवसरों का भेद होने की बात कहते हुए सफाई देने से भी नहीं चूकतीं।

भारत की कुल आबादी करीब 143 करोड़ है, लेकिन 2024 तक कुल कार्यबल 64.33 करोड़ है। यह आंकड़ा 2023 में 59.67 करोड़ था। एक साल में 4.67 करोड़ कार्यबल की बढ़ोतरी हुई है। इतने हाथों में नौकरी, रोजगार या दिहाड़ी उपलब्ध है। सरकारी प्रवक्ताओं की ओर से भी यह दावा किया जाता रहा है कि 2017-मार्च 2024 के दौरान 6.2 करोड़ नौकरीपेशा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन' (ईपीएफओ) से जुड़े हैं। जाहिर है कि इतने लोगों को सरकारी, अद्रधसरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरियां मिली होंगी! ईपीएफओ की निरंतरता पर भी सवाल किए जाते रहे हैं। 2021 से अब तक करीब 7.8 करोड़ रोजगार का सृजन किया जा चुका है। रोजगार के आंकड़े तैयार करने में भी भ्रष्टाचार किया जाता है। मसलन-कृषि में करीब 6 करोड़ रोजगार ऐसे हैं, जहां महिला अपने पति का हाथ बंटाने खेत पर जाती है। उसे 'स्वतंत्र रोजगार' नहीं मान सकते, क्योंकि उसका कुछ भी मानदेय या वेतन अथवा दिहाड़ी तय नहीं है।

बेशक भारत में निजी क्षेत्र का बहुत विस्तार हुआ है। विदेशी कंपनियां आई हैं और उन्होंने उत्पादन के प्लांट स्थापित किए हैं। जाहिर है कि उनमें भारतीय ही प्राथमिकता के स्तर पर काम कर रहे हैं। देश में करीब 3 लाख स्टार्टअप कार्यरत हैं। उनमें भी रोजगार के अवसर हैं। प्रधानमंत्री ने इस पद पर आने से पहले देश की जनता से वायदा किया था कि यदि उनकी सरकार आई, तो 2 करोड़ रोजगार हर साल पैदा करेंगे। उस वायदे में 'रोजगार' के मायने नौकरी भी होंगे। बेशक इतने व्यापक देश में प्रत्येक पात्र नागरिक को सरकारी नौकरी मुहैया नहीं कराई जा सकती, लेकिन निजी क्षेत्र में नौकरी भी उतनी ही मूल्यवान और महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बीते दिनों एक बयान दिया था कि भाजपा-एनडीए सरकार ने 2014-23 के दौरान 9 लाख सरकारी नौकरियां दी हैं। यह आंकड़ा यूपीए सरकार के 2004-13 कार्यकाल से बेहतर है, क्योंकि उस सरकार के दौरान 6 लाख सरकारी नौकरियां ही दी गई थीं। ये आंकड़े भी 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान हैं। लोकसभा चुनाव में प्रमुख मुद्दा बने बेरोजगारी की समस्या से निपटने पर मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में पूरा जोर दिया गया है। इसकी अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में रोजगार शब्द का इस्तेमाल 57 बार किया। इस बार बजट में युवाओं के लिए रोजगार और स्किल डेवलपमेंट के लिए 2 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया गया है।

प्रधानमंत्री रोजगार और कौशल प्रशिक्षण पैकेज के तहत निजी कंपनियों के लिए तीन तरह के प्रोत्साहन की घोषणा की गई है। पहले प्रोत्साहन पैकेज के तहत निजी कंपनी में पहली बार नौकरी पाने वाले युवा की पहले महीने के वेतन का भुगतान सरकार की ओर से किया जाएगा। इसके लिए शर्त यह है कि उस युवा का वेतन प्रति महीना एक लाख रुपये से कम होना चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए रोजगार के मौकों के लिए 5 स्कीम का ऐलान किया है। रोजगार के लिए सरकार ने 2 लाख करोड़ रुपए के पैकेज का भी ऐलान किया है। बजट घोषणा के अनुसार, 20 लाख युवाओं को रोजगार के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके अलावा रोजगार देने पर सरकार इंसेंटिव देगी और रोजगार देने पर सरकार इंसेंटिव की 3 स्कीम लाई जाएंगी। पीएम योजना के तहत 3 चरणों में इंसेंटिव दी जाएगी, इंडस्ट्री के साथ मिलकर वर्किंग हॉस्टल बनाएंगे। बहरहाल, देश भर में बेकाबू होती बेरोजगारी की समस्या पर नियंत्रण पाना सरकारों के लिए गंभीर चुनौती है। केन्द्र व राज्य की सरकारों को युवाओं को लुभाने के इरादे से की जाने वाली रोजगार देने की घोषणाओं को अमलीजामा तो पहनाना ही होगा, यह भी ध्यान रखना होगा कि पात्र लोगों को समय पर अवसर मिलें। साथ ही युवाओं के कौशल विकास पर भी ध्यान दिया जाए।

इस बार के बजट में सरकार की सबसे प्रमुख प्राथमिकता रोजगार सृजन ही माना जा रहा। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि निजी क्षेत्र के रोजगार और नौकरी में इजाफे को लेकर सकारात्मक कदम बजट में उठाए गए हैं। इससे निजी कंपनियां ज्यादा से ज्यादा लोगों को नौकरियां देने के लिए प्रोत्साहित होंगी। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि रोजगार सृजन के लिए बजट के इस दृष्टिकोण का परिणाम क्या निकलता है।

इस बार के बजट में सरकार की सबसे प्रमुख प्राथमिकता रोजगार सृजन ही माना जा रहा। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि निजी क्षेत्र के रोजगार और नौकरी में इजाफे को लेकर सकारात्मक कदम बजट में उठाए गए हैं। इससे निजी कंपनियां ज्यादा से ज्यादा लोगों को नौकरियां देने के लिए प्रोत्साहित होंगी। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि रोजगार सृजन के लिए बजट के इस ष्टिकोण का परिणाम क्या निकलता है।

नजरिया

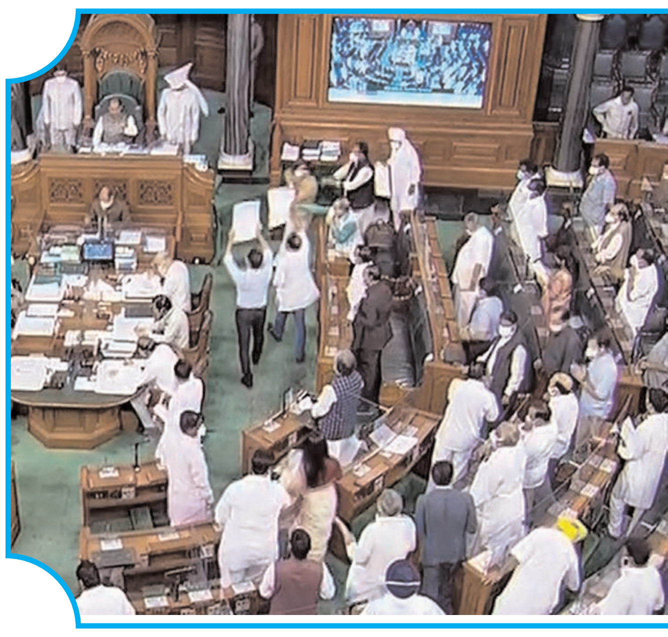

भारतीय राजनीति में विपक्ष का अर्थ, जो सत्ता में नहीं है,से है। विपक्ष के रूप में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। स्वस्थ विपक्ष का कार्य सरकार की सकारात्मक तरीके से आलोचना करना होना चाहिए। स्वस्थ विपक्ष के रूप में विपक्ष को जनता के हित से जुड़े मुद्दों पर सरकार की आलोचना व बहस करना चाहिए। आजादी के बाद जो संघर्ष तत्कालीन विपक्षी दलों ने शुरू किया था वह सत्ता की नहीं बल्कि विचारों की प्रत्यक्ष लड़ाई थी। उनके विचारों में राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के तत्व मौजूद थे। आज स्थिति बिलकुल उलट है। वर्तमान के विपक्षी दलों में न तो विचारों के साथ चलने को लेकर कोई उत्साह है, न प्रतिबद्धता। लोकतंत्र में दो सबसे बड़ी पार्टियां ऐसी कटु भाषा का प्रयोग एक-दूसरे के लिए नहीं करतीं जैसे हमारे यहां होता है। यही कारण है की मोदी को दुबारा सत्ता हासिल करने में कोई भी नहीं रोक पाया।

हंगामा करने वालों को केवल बहाना चाहिए

बाल मुकुन्द ओझा

केंद्रीय बजट प्रस्तुत करने के साथ ही संसद एकबार फिर हंगामे की भेंट चढ़ गई। ऐसा लगता है विपक्ष का एकमात्र काम हंगामा ही रह गया है। किसी न किसी बहाने संसद में हंगामा करना स्वस्थ बहस से ज्यादा जरुरी हो गया है। विरोध का भी एक तरीका होता है। कहावत है पीने वाले को पीने का बहाना चाहिए और हंगामा करने वाले को हंगामे का बहाना चाहिए और बहाना मिल गया है बजट में भेदभाव का। साफ है कि विपक्ष को संसद ठप करने का बहाना चाहिए। सच तो यह है कांग्रेस उन मसलों की खोज करती दिख रही है जिनके जरिये हंगामा किया जा सके और अब हंगामे का मतलब किसी मसले पर सरकार से जवाब मांगना या किसी मसले पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि संसद में ऐसे हालात पैदा करना होता है जिससे वहां कोई काम ही न हो सके। इसके भरे-पूरे आसार हैं कि अगर कांग्रेस हंगामा करने लायक कोई मसले नहीं खोज पाई तो उसे ऐसे मसले उपलब्ध करा दिए जाएंगे। अब यह मसला बजट ने कांग्रेस के हाथों में थमा दिया है। इससे बुरी बात और कोई नहीं हो सकती कि देश संसद चलने की बाट जोहे और कुछ राजनीतिक दल अपना सारा जोर संसद को न चलने देने में लगाएं। यह सही है कि संसद सत्र पहले भी बर्बाद हुए हैं। मगर अब हर छोटी मोटी बात पर संसद में हंगामा मामूली बात रह गया है।

इससे पूर्व लोकसभा में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण में विपक्ष ने जमकर बवाल काटा। मोदी ने जैसे ही राष्ट्रपति के भाषण पर लोकसभा में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना शुरु किया, वैसे ही विपक्ष हंगामा करने लगा। लोकतान्त्रिक परम्पराएं ध्वस्त हो गई। विपक्ष ने अपनी सोची समझी योजना के तहत मोदी के भाषण में खलल डाला। जबकि सदन में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी सहित सभी नेताओं का भाषण शांति से सुना गया। मगर जैसे ही प्रधान मंत्री ने अपना भाषण शुरू किया की सदन में विपक्ष ने हंगामा बरपा दिया। हालाँकि मोदी ने अपना भाषण बिना शोर शराबे से प्रभावित हुए जारी रखा और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए विपक्ष पर जोरदार हमला किया। 1967 से पूर्व देश में सत्ता और विपक्ष में आलोचना के बावजूद आपसी सम्बन्ध बहुत मधुर थे। उस दौरान सत्ता पक्ष बहुत मजबूत था और विपक्ष बिखरे हुए। इसके बाद भी विपक्ष बहुत प्रभावी था। लोहिया से लेकर मधु लिमये, ए के गोपालन , हिरेन मुखर्जी, कृपलानी, राजाजी, नम्बूदरीपाद भूपेश गुप्ता ,अटल बिहारी वाजपेयी, बलराज मधोक, लालकृष्ण आडवाणी , मीनू मसानी, नाथपई, पीलू मोदी, जॉर्ज फर्नांडीज, एन जी रंगा, ज्योतिर्मय बसु सरीखे विरोध पक्ष के नेताओं से सत्ता पक्ष थर्राता था। लोहिया प. नेहरू के सबसे बड़े आलोचक थे मगर दोनों के मित्रवत संबधों पर कभी कोई आंच नहीं आयी। दो पूर्व प्रधानमंत्रियों वाजपेयी और नरसिम्हा राव के संबंध जग जाहिर है। 1967 के बाद पक्ष और विपक्ष की कटुता बढ़ी विशेषकर इंदिरा गाँधी के सत्ता सँभालने के बाद। जिसकी परिणीति आपातकाल में बदली। तबसे दोनों पक्षों में आपसी सौहार्द लगभग समाप्त सा हो गया।

2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पक्ष और विपक्ष में जो कटुता देखने को मिली वह लोकतंत्र के हित में नहीं कही जा सकती। इससे हमारी लोकतान्त्रिक प्रणाली का ह्रास हुआ है। आज सत्ता और विपक्ष के आपसी सम्बन्ध इतने खराब हो गए है की आपसी बात तो दूर एक दूसरे को फूटी आँख भी नहीं सुहाते। दुआ सलाम और अभिवादन भी नहीं करते। औपचारिक बोलचाल भी नहीं होती। लोकतंत्र में सत्ता के साथ विपक्ष का सशक्त होना भी जरुरी है मगर इसका यह मतलब नहीं है की कटुता और द्वेष इतना बढ़ जाये की गाली गलौज की सीमा भी लाँघी जाये। हमारे देश में राजनीतिक माहौल इतना कटुतापूर्ण हो गया है कि लोकतांत्रिक राजनीति के इतिहास में कहीं नहीं हुआ होगा। सोशल मिडिया, टेलीविजन, फेसबुक और ट्विटर जैसे संचार साधनों के बढ़ते दायरे ने आग में घी का काम किया है। भारत के लोकतंत्र के लिए इससे बुरा और क्या हो सकता है। लोकतंत्र की सफलता पक्ष और विपक्ष की मजबूती में है। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होगा जब राष्ट्रीय हितों के मामलों में दोनों की एक राय हो। देश सबसे बड़ा है। मगर ऐसा नहीं हो रहा है जो दुखद है। अब समय का तकाजा है सभी राजनीतिक पार्टियों में जो कुछ गंभीर और समझदार नेता बचे हैं वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभ्यता और मर्यादा बनाए रखने के लिए कोशिशें शुरू करें।

भारतीय राजनीति में विपक्ष का अर्थ, जो सत्ता में नहीं है,से है। विपक्ष के रूप में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। स्वस्थ विपक्ष का कार्य सरकार की सकारात्मक तरीके से आलोचना करना होना चाहिए। स्वस्थ विपक्ष के रूप में विपक्ष को जनता के हित से जुड़े मुद्दों पर सरकार की आलोचना व बहस करना चाहिए। आजादी के बाद जो संघर्ष तत्कालीन विपक्षी दलों ने शुरू किया था वह सत्ता की नहीं बल्कि विचारों की प्रत्यक्ष लड़ाई थी। उनके विचारों में राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के तत्व मौजूद थे। आज स्थिति बिलकुल उलट है। वर्तमान के विपक्षी दलों में न तो विचारों के साथ चलने को लेकर कोई उत्साह है, न प्रतिबद्धता। लोकतंत्र में दो सबसे बड़ी पार्टियां ऐसी कटु भाषा का प्रयोग एक-दूसरे के लिए नहीं करतीं जैसे हमारे यहां होता है। यही कारण है की मोदी को दुबारा सत्ता हासिल करने में कोई भी नहीं रोक पाया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कमला हैरिस ने नेतन्याहू से गाजा में विनाशकारी युद्ध समाप्त करने का आग्रह किया

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से हमास के साथ जल्द युद्धविराम समझौता करने और गाजा में विनाशकारी युद्ध ''स्थायी रूप से समाप्त'' करने का आग्रह किया है। फलस्तीनी क्षेत्र में हताहतों की संख्या बढ़ने और मानवीय संकट गहराने के बीच हैरिस ने इजराइल के प्रधानमंत्री से यह आग्रह किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' परिसर में हैरिस और नेतन्याहू की मुलाकात हुई। मुलाकात के बाद उपराष्ट्रपति ने संवाददाताओं से कहा, इजराइल को अपना बचाव करने का अधिकार है और वह ऐसा किस तरीके से करता है, यह मायने रखता है। पिछले नौ महीनों में गाजा में जो कुछ हुआ है वह विनाशकारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार के तौर पर देखी जा रहीं हैरिस ने कहा, कई मामलों में दूसरी, तीसरी या चौथी बार विस्थापित होने के बाद सुरक्षा के लिए भाग रहे हताश, भूखे लोगों और मृत बच्चों की तस्वीरें हैं। हम इन त्रासदियों के सामने आंखें नहीं मूंद सकते। मैं चुप नहीं रहूंगी।

हैरिस ने द्वि-राष्ट्र समाधान की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

इससे पहले बृहस्पतिवार को नेतन्याहू ने राष्ट्रपति जो. बाइडन से मुलाकात की। 'व्हाइट हाउस' में नेतन्याहू ने मुलाकात से एक दिन पहले कांग्रेस (अमेरिकी संसद) को संबोधित करते हुए हमास के खिलाफ ''पूर्ण जीत'' का संकल्प जताया। इस दौरान, हजारों फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों ने संसद के बाहर प्रदर्शन किया। युद्ध के नौवें महीने में पहुंचने के साथ नेतन्याहू पर इजराइल-गाजा युद्ध को समाप्त करने के लिए लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है।

हैरिस ने कहा, मैंने यह कई बार कहा है, लेकिन इसे दोहराना जरूरी है। इजराइल को अपना बचाव करने का अधिकार है और वह ऐसा किस तरीके से करता है, यह मायने रखता है। हमास एक क्रूर आतंकवादी संगठन है। हमास ने सात अक्टूबर को 44 अमेरिकियों सहित 1,200 निर्दोष लोगों की हत्या कर इस युद्ध की शुरुआत की। उन्होंने कहा, हमास ने यौन हिंसा के भयानक कृत्य किए हैं और 250 लोगों को बंधक बनाया। ऐसे अमेरिकी नागरिक हैं जो गाजा में बंदी बने हुए हैं।

नई दिल्ली में शुक्रवार को लोकसभा के दूसरे सत्र के दौरान संसद भवन में भाजपा सांसद कंगना रानौत।

भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और हिन्द-प्रशांत दृष्टिकोण का आधार है आसियान : जयशंकर

वियनतियान (लाओस)/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने को भारत की प्राथमिकता बताते हुए शुक्रवार को कहा कि यह 10 सदस्यीय प्रभावशाली क्षेत्रीय समूह भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और हिन्द-प्रशांत दृष्टिकोण की आधारशिला है।

जयशंकर आसियान की बैठकों में भाग लेने के लिए लाओस की राजधानी में हैं। उन्होंने आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक के उदघाटन सत्र में अपने संबोधन के दौरान कहा कि भारत आसियान और ईएएस (पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन) मंचों को जो प्राथमिकता देता है, वह पिछले साल नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जकार्ता की यात्रा किए जाने से स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 12 सूत्री योजना की घोषणा की थी, जिस पर बड़े पैमाने पर अमल किया गया है।

जयशंकर ने कहा, भारत के लिए आसियान उसकी 'एक्ट इंडिया' नीति और उसके हिन्द-प्रशांत दृष्टिकोण की आधारशिला है...। उन्होंने कहा, आसियान के साथ वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक एवं सुरक्षा सहयोग और लोगों के बीच संपर्क सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसे हम विस्तार देने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

जयशंकर ने कहा कि यह देखना उत्साहवर्धक है कि भारत-आसियान साझेदारी हर बीतते दिन के साथ और नए आयाम प्राप्त कर रही है। उन्होंने बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए अपने सिंगापुरी समकक्ष विवियन बालाकृष्णन को धन्यवाद दिया। उन्होंने बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में तिमोर-लेस्ते के मंत्री बेंडिटो फ्रीटास का भी स्वागत किया।

जयशंकर ने कहा, पिछले वर्ष प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की थी कि हम दिल्ली में दूतावास खोलेंगे। हम शीघ्र ही ऐसा करने जा रहे हैं और वास्तव में, वहां उच्चस्तरीय यात्राएं भी करेंगे।

जयशंकर ने कहा, मैं आसियान की अध्यक्षता करने के लिए लाओस को बधाई देता हूं और उसकी अध्यक्षता को सफल बनाने के लिए अपना पूरा समर्थन देता हूं। उन्होंने आसियान-भारत कार्य योजना के अंतर्गत चिह्नित ठोस सहयोग के माध्यम से आसियान-भारत संबंधों को मजबूत बनाने के लिए सभी सदस्यों की सराहना की।

रोहिंग्या मुसलमानों के कारण बंगाल में हिंदुओं की हालत कश्मीरी पंडितों की तरह होने वाली है: सौमित्र

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद सौमित्र खान ने शुक्रवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में हर रोज पांच से सात हजार रोहिंग्या मुसलमान प्रवेश कर रहे हैं और राज्य में हिन्दुओं की स्थिति जम्मू-कश्मीर में 1990 में हुए हालात की तरह होने वाली है, जब वहां से कश्मीरी पंडितों को बाहर कर दिया गया था। उन्होंने इस संबंध में अध्ययन के लिए एक समिति गठित करने की भी मांग की।

खान ने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी है।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट पर सामान्य चर्चा में हिस्सा लेते हुए विष्णुपुर के सांसद सौमित्र खान ने कहा कि राज्य में हर रोज पांच से सात हजार रोहिंग्या मुसलमान सीमा पार करके आ रहे हैं और राज्य सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने आरोप लगाया, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री देश की अखंडता तहस-नहस करने पर तुली हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल के एक मंत्री पर हिन्दुओं के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द बोले जाने का आरोप लगाया और कहा, मंत्री कह रहे हैं कि हिन्दुओं को राज्य से बाहर कर देंगे।

खान ने आगे कहा कि 1990 में कश्मीर घाटी में जो कुछ हुआ उसे याद किया जाना चाहिए और वही हालात अब पश्चिम बंगाल में होने वाले हैं। उन्होंने मांग की कि इसकी जांच के लिए एक समिति गठित की जाए।

5 अक्टूबर से शुरू होगी 'हीरो हीरोइन' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

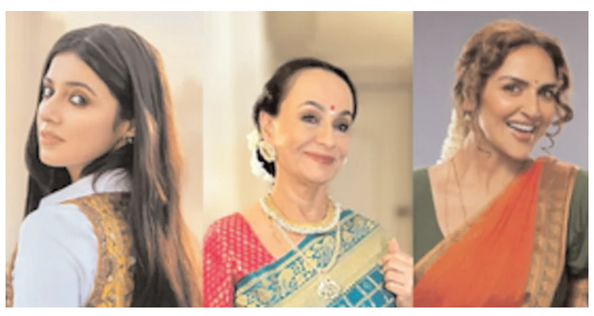

बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस दिव्या खोसला कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म 'हीरो-हीरोइन' को लेकर चर्चाओं में हैं। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज होगी। इस फिल्म का शेड्यूल फाइनल हो चुका है, जिसकी शूटिंग 5 अक्टूबर से शुरू होगी। 'हीरो हीरोइन' की शूटिंग 10 जून से शुरू होनी थी, लेकिन अब शेड्यूल में बदलाव कर शूटिंग शुरू करने की तारीख 5 अक्टूबर तय की गई है। फिल्ममेकर्स 12 अगस्त को एक्टर के नाम का खुलासा करेंगे। फिल्म में ईशा देओल, सोनी राजदान, परेश रावल, इशिता चौहान, तुषार कपूर, कोमल नाहटा और प्रियंका चाहर चौधरी अहम रोल में हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए दिव्या ने कहा, 'हीरो हीरोइन' एक तेलुगु फिल्म है। इसमें अपने रोल को दमदार बनाने के लिए, मैं पूरी मेहनत से तेलुगु सीख रही हूं और खुद को इस किरदार में पूरी तरह से तैयार कर रही हूं, ताकि दर्शक आसानी से मेरे साथ जुड़ सकें।'' दिव्या ने आगे कहा, स्क्रिप्ट में मेरे किरदार के लिए काफी कुछ है, इसके लिए मुझे भाषा पर मजबूत पकड़ बनानी पड़ेगी। 'सावी' के लिए मेरी प्रतिबद्धता और 'हीरो हीरोइन' के लिए जरूरी तैयारी को देखते हुए, हमने 5 अक्टूबर से शूटिंग शुरू करने का फैसला किया है। दिव्या की हाल ही में एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'सावी' रिलीज हुई, जिसे अभिनय देव ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अनिल कपूर और हर्षवर्धन राणे भी हैं। यह 2008 की फ्रेंच फिल्म 'पोर एली' की रीमेक है।

वहीं 'हीरो हीरोइन' का निर्माण प्रेरणा अरोड़ा (एस के जी एंटरटेनमेंट), कृष्णा विजय एल और साउथ डायरेक्टर पवन सादिनेनी की प्रोडक्शन कंपनी पीओवी स्टोरीज द्वारा किया जा रहा है। दिव्या अपने काम से कहीं ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। उन्होंने 13 फरवरी 2005 को फिल्म प्रोडक्शन कंपनी के मालिक भूषण कुमार से मां वैष्णो देवी मंदिर में शादी की। भूषण कुमार दिवंगत सिंगर और प्रोड्यूसर रहे गुलशन कुमार के बेटे हैं। शादी के बाद दिव्या ने फिल्मों से दूर बना ली गईं, लेकिन जॉन अब्राहम की फिल्म 'सत्यमेव जयते 2' से इंडस्ट्री में कमबैक किया। इसके अलावा, वह कई म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं।

चीन में सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने की योजना से लोगों में नाराजगी

बीजिंग/भाषा। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा तेजी से बढ़ती उम्रदराज आबादी से निपटने के लिए कामकाजी आबादी की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने की योजना ने जनता में नाराजगी पैदा कर दी है। वर्तमान ढांचे के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में पुरुष कामगारों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष है, जबकि महिला कामगारों के लिए यह उनके व्यवसाय के आधार पर 50 या 55 वर्ष है।

हाल में संपन्न चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के तीसरे पूर्ण अधिवेशन में अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने के लिए व्यापक सुधारों की घोषणा की गई है जो कि गहराते जनसांख्यिकीय संकट, धीमी वृद्धि और बढ़ते स्थानीय सरकारी ऋण से प्रभावित है। अधिवेशन में सेवानिवृत्ति की आयु को ''स्वैच्छिक और लचीले'' तरीके से बढ़ाने की योजना पर भी चर्चा की गई।

ग्यारह जुलाई को जारी विश्व जनसंख्या संभावना 2024 रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की जनसंख्या, जो वर्तमान में 2024 में 1.41 अरब है, 2054 में घटकर 1.21 अरब हो जाएगी और 2100 तक और घटकर 63.3 करोड़ हो जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया, यह अनुमान लगाया गया है कि चीन, जो वर्तमान में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, 2024 और 2054 के बीच जनसंख्या में सबसे बड़ी कमी (20.4 करोड़) का सामना करेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ''चीन के लिए लंबी अवधि के जनसंख्या अनुमान अधिक अनिश्चित हैं।

फिल्म 'महारागिनी' में एक्शन अवतार में नजर आएंगी काजोल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री काजोल अपनी आने वाली फिल्म महारागनी-क्वीन ऑफ क्वींस में एक्शन अवतार में नजर आयेंगी। काजोल इन दिनों तेलुगु फिल्म निर्देशक चरण तेज उप्पलपति के साथ फिल्म महारागिनी : क्वीन आफ क्वींस में काम कर रही हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर सामने आया, जिसमें काजोल उग्र अंदाज में दिखी। फिल्म के निर्देशक चरण तेज ने बताया,फिल्म के सेट पर उतरने से पहले काजोल ने एक्शन को लेकर बाकायदा तैयारी की। उनके एक्शन में इमोशन भी होगा।

फिल्म में काजोल मुंबई की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी में पली बढ़ी महिला माया की भूमिका में होंगी। जो झोपड़पट्टी से निकलकर महाराष्ट्र की सबसे ताकतवर महिला बनती है।

फिल्म महारागिनी : क्वीन आफ क्वींस में काजोल के साथ नसीरुद्दीन शाह, प्रभु देवा और जीसू सेनगुप्ता की मुख्य भूमिका है। यह फिल्म हिंदी के साथ-साथ तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में भी प्रदर्शित होगी।

एक दिन मुझे शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिलेगा : राघव जुयाल

मुंबई/एजेन्सी

राघव जुयाल इस समय अपने करियर की बुलंदियों पर हैं, क्योंकि उनकी हालिया रिलीज धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म किल को बहुत पसंद किया जा रहा है, खास तौर पर एक्शन प्रेमियों से। इस फिल्म में उन्होंने एक क्रूर खलनायक की भूमिका निभाई थी, जिसमें लक्ष्य मुख्य भूमिका में थे। अब जुयाल अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसका नाम है ग्यारह ग्यारह, जिसमें उनके साथ कृतिका कामरा और धैर्य करवा हैं। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर शाहरुख खान के साथ काम करने के अपने लंबे समय के सपने को साकार करते नजर आए।

गलियारों में बहती हवाओं का कहना है कि राघव जुयाल जल्द ही शाहरुख खान के साथ काम करते नजर आने वाले हैं। उनकी न सिर्फ शाहरुख खान अपितु कई और बड़े सितारों के साथ काम करने की अफवाहें जोर पकड़ रही हैं। इस बारे में बात करने पर राघव ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि एक दिन मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा। मैं वास्तव में चाहता हूँ कि मैं उनके साथ कुछ काम कर सकूं। हालांकि अभी तक ऐसा कुछ भी नहीं है। उनके मौजूदा शो ग्यारह ग्यारह की बात करें तो यह एक फैंटेसी थ्रिलर सीरीज़ है जो लोकप्रिय कोरियाई शो सिग्नल का आधिकारिक रीमेक है। सिख्या एंटरटेनमेंट और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित और उमेश बिष्ट द्वारा निर्देशित यह शो एक खोजी थ्रिलर है जो तितली प्रभाव के बारे में बात करती है क्योंकि यह तीन दशकों – 1990, 2001 और 2016 की कई समय सीमाओं में सेट है।

करगिल दिवसः अक्षय कुमार, अनुपम खेर और रकुल प्रीत सिंह ने सैनिकों के बलिदान को किया सलाम

मुंबई/एजेन्सी

'कारगिल विजय दिवस' पर बॉलीवुड सितारों ने भी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी है। अनुपम खेर, अक्षय कुमार समेत कई दिग्गजों ने शहीदों को याद किया है। बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार ने एक्स पर लिखा, कारगिल विजय दिवस के इस अवसर पर हम अपने सैनिकों के साहस और बलिदान को सलाम करते हैं। उनकी वीरता की कहानियां साल दर साल दोहराई जाएंगी। जय हिंद! दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर लिखा, कारगिल दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर भारतीय सेना को बधाई और युद्ध में शहीद हुए शूरवीरों को और उनके परिवार वालों को मेरा नतमस्तक नमन। जय हिंद! रकुल प्रीत सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट किया, इस कारगिल विजय दिवस पर, आइए हम उन बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि दें जो हमारे देश के सम्मान के लिए निडर होकर खड़े रहे। वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय की हाल ही में सुधा कोंगरा द्वारा निर्देशित फिल्म 'सरफिरा' रिलीज हुई। वह जल्द ही 'स्काई फोर्स' में नजर आएंगे। इसमें सुनील शेट्टी, निमरत कौर और सारा अली खान लीड रोल में हैं। वहीं, उनकी फिल्म 'खेल खेल में' भी रिलीज के लिए तैयार है। इसमें उनके साथ तापसी पन्नू, वाणी कपूर, फरदीन खान, एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल जैसे कलाकार नजर आएंगे।

इसके अलावा, उनके पास रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन', 'वेलकम टू द जंगल', 'जॉली एलएलबी 3', 'हेरा फेरी 3', 'हाउसफुल 5' और मराठी फिल्म 'वेदात मराठे वीर दौडले सात' है। अनुपम खेर को हाल ही में राजीव चिलका द्वारा निर्देशित बच्चों की फैंटेसी एक्शन-एडवेंचर फिल्म 'छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ दमयान' में देखा गया था। वह जल्द ही कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आएंगे। उनके पास फिल्म 'द सिग्नेचर' और 'विजय 69' है। इसके अलावा, वह 'तन्वी द ग्रेट' के जरिए करीब 20 साल बाद निर्देशक के तौर पर कमबैक कर रहे हैं। रकुल की बात करें तो वह अजय देवगन के साथ फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा, वह जल्द ही कमल हासन के साथ फिल्म 'इंडियन 2' में भी दिखाई देंगी। उनके पास साउथ के भी कई प्रोजेक्ट्स हैं।

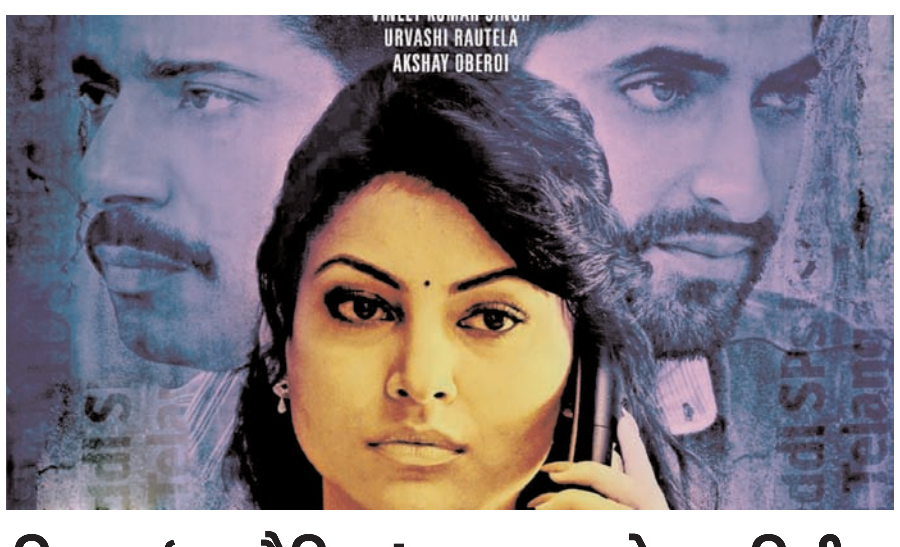

फिल्म 'घुसपैठिया' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

विनीत कुमार सिंह, उर्वशी रौतेला और अक्षय ओबेरॉय की आने वाली फिल्म 'घुसपैठिया' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। 'घुसपैठिया' के निर्माताओं ने फ़िल्म के सितारे विनीत कुमार सिंह, उर्वशी रौतेला और अक्षय ओबेरॉय की मौजूदगी वाला एक नया आकर्षक पोस्टर जारी किया है। हर कलाकार को एक अलग अंदाज़ में दिखाया गया है, जो फ़िल्म की दिलचस्प कहानी को और भी दिलचस्प बना रहा है।पोस्टर में उर्वशी रौतेला घबराई हुई नज़र आ रही हैं, उनके हाथ में एक फ़ोन है, जो रहस्य और जिज्ञासा की एक परत जोड़ता है। विनीत कुमार सिंह और अक्षय ओबेरॉय को उनके अनोखे अंदाज़ में दिखाया गया है, जो अपनी आकर्षक उपस्थिति से दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं।

निर्देशक सुसी गणेशन ने बताया, हम एक ऐसा दृश्य बनाना चाहते थे जो न केवल हमारे मुख्य पात्रों का परिचय दे बल्कि 'घुसपैठिया' में मौजूद तनाव और ड्रामा का भी संकेत दे। प्रत्येक अभिनेता ने अपनी भूमिका में कुछ अनोखा लाया है, और मेरा मानना है कि पोस्टर इसे खूबसूरती से दर्शाता है। सुसी गणेशन द्वारा निर्देशित 'घुसपैठिया' का निर्माण एम. रमेश रेड्डी, ज्योतिका शेनॉय और मंजरी सुसी गणेशन ने किया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी सेतु श्रीराम ने की है, जबकि संगीत अक्षय मेनन और सौरभ सिंह ने दिया है। 'घुसपैठिया' 09 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'फिर आई हसीन दिलरुबा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी स्टारर 'फिर आई हसीन दिलरुबा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी स्टारर हसीन दिलरुबा , हसीन दिलरूबा का सीक्वल है।पहले पार्ट का निर्देशन विनील मैथ्यू ने किया था, जबकि दूसरे पार्ट का निर्देशन जयप्रद देसाई ने किया है।

फिर आई हसीन दिलरुबा में सनी कौशल और जिमी शेरगिल की भी अहम भूमिका है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिर आई हसीन दिलरुबा में इस बार रानी (तापसी पन्नू) अपने नए आशिक (सनी कौशल) के साथ प्यार पींगे भरेगी. वहीं रानी का पति (विक्रांत मैसी) एक बार फिर से उनके प्यार में दीवाना नजर आ रहा है।फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को कनिका ढिल्लों ने लिखा है। कनिका फिर आई हसीन दिलरुबा की को-प्रोड्यूसर भी हैं। फिल्म का निर्माण आनंद एल. राय की कलर येलो प्रोडक्शंस और भूषण कुमार की टी-सीरीज फिल्म्स द्वारा किया गया है।यह फिल्म 09 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

प्रदर्शन

3-नई दिल्ली में शुक्रवार को अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज नई दिल्ली में एफडीसीआई इंडिया कॉउचर वीक के दौरान ईशा जजोदिया द्वारा डिजाइनर रोजरूम के कलेक्शन का प्रदर्शन करते हुए रैंप पर चलीं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के नजरबाद स्थित शिक्षक सदन के मैदान में बुद्धि-वीर वाटिका के विशाल पंडाल में जिज्ञासुओं की विराट सभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मन ही मनुष्य के सुख और दुःख का मुख्य नियामक तत्व है। मन की गति निराली है।

‘संतोष सुखी जीवन का आधारकार्ड है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने गुरु मिश्री दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि संतोष ही जीवन का असली धन हैं। संतोष सुखी जीवन का आधारकार्ड हैं। जो हर परिस्थिति में व्यक्ति के सम-विषम परिस्थिति में आधारभूत सहायक बनता है। संतोष की शान निराली है। गौधन, गजधन, रत्न धन, कंचन खान प्राप्त कर लेने से भी बढ़कर व्यक्ति के जीवन में संतोष रुपी धन का गुण का महत्व हैं। व्यक्ति को अपने जीवन में हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए और नकारात्मक भावों, विचारों से हमेशा दूर रहना चाहिये। यदि घर में धन की तिजोरियां भरी है लेकिन दान देने का, जीवन में सुकृत-पुण्यकार्य, परोपकार की भावना नहीं है तो उस व्यक्ति की बेशुमार दौलत भी, उस के चेहरे पर लाली नहीं ला सकती अर्थात वह इंसान अपने जीवन-व्यवहार में कभी सच्ची शांति, सुख का अनुभव नहीं कर सकता हैं। साध्वीश्री ने प्रवचन सभा में सती अंजना का सरल सुवोद्य काव्यशैली में वांचन एवं विवेचन प्रस्तुत किया।

प्रारंभ में साध्वी श्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि क्रोध रुपी कषाय इंसान के जीवन में यमराज के समान हैं। क्रोध दूसरे का बाद में पहले स्वयं क्रोध करने वाले का अहित करता हैं। तृष्णावान व्यक्ति मृगतृष्णा के समान सुख की चाह में भटकता रहता है पर उसे सच्चा सुख प्राप्त नहीं होता। जिला विद्या ज्ञान की कामधेनू के समान सभी मनोवांछित ईच्छाएं पूर्ति करने वाला बताया। संतोष को नंदनवन की उपमा दी हैं। उन्हीनें मनुष्य और धन की तुलना नाव और सरोवर में रहे हुए जल से की। धर्मसभा में तपस्वी हेमन्त दक के 9 उपवास की तथा रेखा मेहता के 7 तपस्या की अनुमोदना संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी एवं तपस्या की बोली लगाकर लाभ लेने वाले श्रद्धालुओं ने सम्मान किया। धर्मसभा में कर्नाटक जैन कॉन्फ्रेस के प्रान्तीय अध्यक्ष पुखराज मेहता, राजाजीनगर से जम्बूकुमार दुग्गड़, मरुधर केसरी सेवा गुरु समिति की अध्यक्षा सरला दुग्गड़ आदि अनेक जन उपस्थित थे। मंत्री सुरेश कुमार धोका ने धर्मसभा का संचालन किया।

जो आत्मा में रमण करवाए, वही सर्वश्रेष्ठ तप है : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर में लुणावत स्थानक भवन में विराजित राजेशमुनिजी ने प्रवचन में सच्ची कथा का महत्व बताया। मुनिश्री ने कहा कि इच्छा निरोध, क्षमा और अहिंसा इन तीन गुणों की प्रेरणा किसी कथा से मिले तो वही सच्ची कथा होती है और ऐसी कथा में ही जीवन जीने की कला का संदेश मिलता है।

इच्छाओं को जीत लिया तो आपका संसार स्वयं छोटा हो जायेगा क्योंकि जरूरतें सीमित और आवश्यकताएं कम हो जाएंगी। ऐसी स्थिति में संसार की दिशा में पुरुषार्थ भी कम करना पड़ेगा और आत्मिक पुरुषार्थ को बढ़ाया जा सकेगा। हम अपने आत्मिक गुणों को बढ़ाते हुए आत्मा को परमात्मा बना पायेंगे। उन्होंने कहा कि छिपकर किया पाप सदैव भय को जन्म देता है। संत तो प्रभु के दूत बनकर जिनवाणी की वर्षा करने और हमारे जीवन की दिशा और दशा दोनों बदलकर सही दिशा देने आए हैं। संत हमारी जीवन शैली को धर्म के अनुरुप बनाकर आत्मा में रमण करना सिखाते हैं, इसी में हमारा उद्धार है।

मुनि ने कहा कि कड़वे शब्द जीवन की बिगाड़ और मीठे शब्द जीवन का उद्धार करने वाले बनते है। जो आत्मा में रमण करवाये वही सर्वश्रेष्ठ तप है और गुरु शरण ही धर्म के टिकने का स्थान है। धर्मसभा में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों से श्रद्धालु उपस्थित थे। अध्यक्ष धनरूपचंद मेहता ने स्वागत किया। मंत्री छगनमल लुणावत ने सभा का संचालन किया।

मन ही मनुष्य के सुख और दुःख का मुख्य नियामक तत्व है : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के नजरबाद स्थित शिक्षक सदन के मैदान में बुद्धि-वीर वाटिका के विशाल पंडाल में जिज्ञासुओं की विराट सभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मन ही मनुष्य के सुख और दुःख का मुख्य नियामक तत्व है। मन की गति निराली है। इस पर नियंत्रण नितांत आयश्यक है। जीवन में सुख या दुःख की कोई भी मात्रा हो, मन की मान्यता के मुताबिक ही उनका निर्धारण होता है। यदि वह सुखद क्षणों को अस्वीकार कर देता हैं तो तत्काल वे पल ही दुःखद बन जाते हैं। दुःख और सुख की मन की फिलोसोफी गजब की है। इसे समझकर ही हम सुख-शांति से जीने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। जो मन के मुताबिक जीते हैं, वे कदम-कदम पर परेशान होते रहते हैं। सभागार में हजारों जिज्ञासु श्रोताओं को चित्तवृत्तियों के निरोध पर मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने आगे कहा कि मानसिक भूमिका पर दुर्विचार, दुश्चिंतन, दुर्भावनाओं को टालकर हम आध्यात्मिक साधना की योग्यता बना सकते हैं। जिनका मन नियंत्रण में नहीं होता, वे कभी बड़ी सफलता प्राप्त नहीं कर सकते। क्रोध, अहंकार, माया, लोभ, राग, द्वेष, ईर्ष्या आदि भीतरी शल्य मन में निरंतर उमड़ती और जीवन को प्रभावित करती विविध भाव-तरंगे हैं। इन्हीं की चपेटों में अमूल्य जीवन डूब जाता है। जो आत्माएं इनसे बचकर उभरती हैं, वे पार लग जाती हैं। साधु-संत लोगों को पार लगाने आते हैं। धर्म और शास्त्र नाव हैं तथा साधु-संत नाविक की भूमिका निभाते हैं। जो सद्गुरु का हाथ पकड़ते हैं, वे कभी नहीं डूबते।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि शुक्रवार को शत्रुंजय तपाराधना के सवेरे और शाम, दो बियासने हुए। अशोक दांतेवाडिया ने स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाओं की बैठक की जानकारी दी। रात्रिकालीन ज्ञानसत्र में गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि भगवान की पूजा से पहले भगवान के स्वरूप और गुणों को समझने का प्रयत्न करना चाहिए। इससे भक्ति जीवंत बनेगी और पूजा का मर्म समझ मे आयेगा। प्रवचन सभा में रक्तदान महादान गौ-भक्त संगठन ट्रस्ट,मैसूरु के संरक्षक महेंद्रसिंह राजपुरोहित, संरक्षक पृथ्वीसिंह चांदावत, अध्यक्ष बगदाराम कुमावत, सचिव चिरंजीलाल कुमावत, पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र परिहारिया, करमाराम सीरवी, गुदड़राम, महेंद्र चौयल, मोहनराम आदि ने भाग लेकर आचार्य के दर्शन वंदन कर सुखसाता पूछ कर आशीर्वाद लिया।

‘मन को समझाना ही सच्ची धर्म-साधना है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

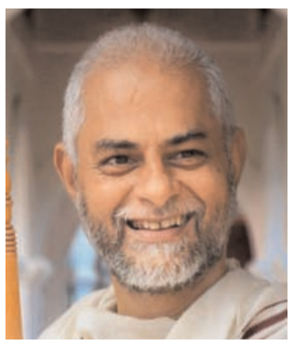

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित सिमंधर शान्तिसूरी जैन संघ के तत्वावधान में संभवनाथ भवन में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने शुक्रवार को प्रवचन देते हुए कहा कि बाहर की दुनिया में दिखाई देने वाले शत्रु, वास्तव में हमारे शत्रु नहीं है। अंतरंग शत्रु जैसे कि क्रोध, अंहकार, वासना-विकार, ईर्ष्या, लोभ ही हमारे वास्तविक शत्रु है । माया के जाल में जकड़ जाने पर व्यक्ति बैचेन हो उठता है और अंहकार मनुष्य को शांति से बैठने नहीं देता है । क्रोध अन्दर ही अन्दर जलन या ताप पैदा करता है, और लोभ वृत्ति के कारण आदमी न जाने कितने मीलों तक दूर-दूर तक (यहां तक कि सात समुंदर पार भी), धन कमाने हेतु चला जाता है। बाहरी दुनिया की दृष्टि से आप भले ही कितनी ही ऊंचाई पर पहुँच गए हो, परंतु अंतर में यदि क्रोध-लोभ आदि बसे है, तो व्यक्ति सदैव दुःखी ही रहेगा । क्रोध-लोभ आदि को कषाय कहा जाता है।

आचार्य श्री ने कहा कि भोग सामग्री प्रचुर मात्रा में हो, धन संपत्ति अपार हो और यदि व्यक्ति को उचित सम्मान न मिले गया और तो वो बैचेन हो उठता है और व्यक्ति में यदि संतोष गुण आ जाए तो वह सुखी बन जाएगा, इसलिए अंदर के शत्रुओं को पहचान कर उन पर विजय प्राप्त करते हुए साधना में आगे बढ़ना है और अंदर का आनंद लूटना है । मन को समझाना ही सच्ची धर्म-साधना है ।

दान देने से पुण्यानुबंधी पुण्य का उपार्जन होता है : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में दान की महिमा बताते हुए कहा कि पुण्यानुबंधी पुण्य बंध नौ प्रकार का है जो सुकृत दान से बंधता है और पुण्यानुबंधी पुण्य से ही हमारी आत्मा का कल्याण होगा।

साध्वीश्री ने दृष्टांत बताते हुए कहा कि राजा भोजराज के दरबारी सरस्वती पुत्र और लक्ष्मी पुत्र दानवीर माघ कवि में कालिदास, दण्डी और भारवी जैसे तीन तीन कवियों का संगम था, जो प्रतिदिन एक हजार सोना मोहरें दान करते थे। जिनशासन भी माघ कवि, धन्ना सेठ, शालिभद्र ऐसे ही श्रावकों से देदीप्यमान है। पुण्य से मिली लक्ष्मी को पुण्य कार्य में ही खर्च करने से लक्ष्मी बढ़ती है। आगामी रविवार को ’म्हारे तो लेवानी छे दीक्षा’ का विशेष संगीतमय कार्यक्रम पूज्य गुरुवर मलयप्रभसागरजीकी निश्रा में आराधना भवन में आयोजित किया जाएगा।

तेयुप दक्षिणचंल युवा सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर

व्यक्ति विकास कार्यशाला रविवार को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिणचंल युवा सम्मेलन एवं व्यक्तिव विकास कार्यशाला आयोजन हेतु बैठक का आयोजन अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में अभातेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में राजाजीनगर स्थित होटल में हुआ। व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन तेयुप गांधीनगर द्वारा रविवार को प्रातः 10:30 बजे साध्वी श्री उदितयशाजी के सान्निध्य में आयोजित होगी एवं दक्षिणांचल युवा सम्मेलन का आयोजन तेयुप टी दासरहल्ली द्वारा मेवाड़ भवन में 4 अगस्त को आयोजित होगा। इस मौके पर पवन मांडोत ने कहा कि आगामी 4 अगस्त को राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में सम्पूर्ण दक्षिण भारत के लिए दक्षिणांचल स्तरीय दायित्व बोध कार्यशाला का आयोजन हो रहा है। इस कार्यक्रम में परिषद के साथियों को परिषद को ‘कैसे चलाये परिवार, व्यापार, समाज, समन्वय कैसे बैठाये, फंड राइजिंग कैसे हो, व्यक्तित्व का विकास कैसे हो आदि विषयों पर जानकारी दी जाएगी तथा परिषद सदस्यों का सम्मान भी किया जाएगा। अभातेयुप परामर्शक विमल कटारिया ने सभी युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शहर की समस्त परिषदों को साथ मिलकर कार्य करना है। तेयुप टी दासरहल्ली के अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी ने कहा कि इस सम्मेलन में सम्पूर्ण दक्षिण के युवाओं का संगम सभी परिषदों से उपस्थिती रहेगी। विभिन्न परिषद के अध्यक्षों ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उपस्थिति के बारे में अपने-अपने विचार व्यक्त किये। अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरना, बेंगलूरु परिषद शाखा प्रभारी अमित दक, टी दासरहल्ली परिषद शाखा प्रभारी गौतम खाब्या ने अपने विचार व्यक्त किये। अभातेयुप सीपीएस राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी ने धन्यवाद दिया ।

तेरापंथी महिलाओं ने कार्यशाला में क्रोध पर काबू करना सीखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर द्वारा ’समृद्ध राष्ट्र योजना’ के अंतर्गत अध्यक्ष सुमन पटावरी द्वारा निर्देशित संस्कारशाला का प्रथम चरण आरआर नगर स्थित ज्योतिनिवास स्कूल में आयोजित हुआ। कार्यशाला का विषय था ‘क्रोधी नहीं सहनशील बने’। दिव्या बोथरा ने बच्चों को बताया कि हमें हर बात पर क्रोधित नहीं होना चाहिए, क्रोध में लिया गया निर्णय हमेशा गलत ही साबित होता है। ज्यादा गुस्से से बच्चे नकारात्मक एवं निराशावाद के शिकार भी हो जाते है अतः हमे हमेशा अच्छा सोचना है, सकारात्मक सोचना है। हमें ये सोचना है कि हम आगे से कुछ अच्छा ,कुछ नया करेंगे कभी हताश होकर गलत कदम नहीं उठाए। बच्चों को प्रोत्साहन रुप में पुरस्कार भी दिए गए। सहयोगी रजनी संचेती, रुचिका पटावरी आदि सदस्याओं ने व्यवस्था संभाली।

शत्रुंजय तीर्थ अनंत सिद्धों की भूमि है : संत निर्मोप्रभविजय

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हेमप्रभसूरी समुदाय के संतश्री निर्मोहप्रभविजयजी ने कहा कि किसी के पास कुछ भी अच्छा हो तो वो सीख लेना चाहिए। इस विश्व में कोई भी जीवात्मा सम्पूर्ण दोषों से और कोई भी जीवात्मा सम्पूर्ण गुणों से भरा हुई नहीं है। जीभ के दो काम है वाद और स्वाद यानी बोलना और खाना। अगर दोनों काम मर्यादित हो तो दुःखी होने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। जिस चीज या गुण का अभिमान हम करतें है, वह चीज या गुण आगे चलकर हम से दूर हो जाती हैं। जगत देखना हो तो आँखे खोलनी होती है और जगतपति को देखना हो तो आँखे बंद करनी पडती है। शत्रुंजय तप में सम्मिलित होने की प्रेरणा में गुरुदेव ने कहा कि वर्तमान में भी शत्रुंजय तीर्थ में अनेकों प्रभाव देखने को मिलते है, बस, दृढ़ श्रद्धा होनी चाहिए। शत्रुंजय तीर्थ अनंत सिद्धों की भूमि है। पूर्ण श्रद्धा सहित शास्त्रीय शत्रुंजय तप करने से अनेकों के रोग, दुःख, पीड़ा का नाश हुआ है।

योग साधना ही सामायिक को चमकाती है : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बावीस सम्प्रदाय जैन संघ ,गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि जिस प्रकार अतिवृष्टि में पानी की बहुलता में फसलें सड़ने लगती है और अनावृष्टि में बोई गई फसलें सूखने लगती है। दोनों ही स्थिति किसान के लिए दुखकारी बन जाती है। यही स्थिति आत्मा की जब बनती है तब मानव जीवन में योगों की चंचलता से गुण वृद्धि घटती जाती है और योगों की अति मंदता में एकेन्द्रियादि जीवो की स्थिति में गुणों का जन्म होना ही असंभव हो जाता है, इसलिए योग साधना ही सामायिक को चमकाती है। मन, वचन और काया इन तीनों योगों का समन्वय रूप जब बनता है तब योग आत्मा मित्र आत्मा बनती है। आत्मा का शुद्धिकरण भावनाओं को योगों में जोड़कर किया जाता है। ’भावना’ वो ताकत है जो मन योग की गहराई में जुड़ जाय तो’ भरत चक्रवर्ती’ को एक मुहर्त में ही मोहनीय कर्म रहित बना देती है।

तप जीवन में प्रकाश लाता है : साध्वीश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के महालक्ष्मी लेआउट में चातुर्मास विराजित धर्मसूरीश्वरजी समुदाय की साध्वीश्री नयदर्शाश्रीजी एवं ज्ञेयदर्शाश्रीजी ने प्रवचन में कहा कि तराजू में अगर एक तरफ अपने जीवन में किये गये सभी तप, जप, पुण्य को और दूसरी तरफ एक साधर्मिक भाई को तोले तो दोनों बराबर है । साध्वीश्री ने कहा कि इस चातुर्मास में तप को महत्त्व देना है। तप जीवन को संवारता है, तप जीवन को चमकाता है और तप जीवन में प्रकाश लाता है। तप करने से हमारा लोह रुपी शरीर कुंदन समान चमकदार बन जाता है। तप जीवन का सार है। तप करने से जीवन में शक्ति, शांति व समझ आती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

नहीं डरते वो सागर से

नहीं डरते वो सागर से जिन्हें आता है उतराना,
कभी सीखा नहीं हमने, बुरे लम्हों से घबराना।

अगर छूना है मंज़िल तो, हमेशा याद ये रखना,
हज़ारों बार पड़ता है, कई लहरों से टकराना।

मुहब्बत में मढ़ा करते नहीं, इल्ज़ाम औरों पर,
शमा के वास्ते मर्ज़ी से, जल जाता है परवाना।

फ़कत कहने की ख़ातिर, कुछ नहीं कहना ज़माने से,
जिसे तामील कर पाओ, वही लोगों से फ़रमाना।

कभी ऊपर नहीं उठते, वहां के लोग जो दिल में,
बनाया करते हैं हर रोज़, तहख़ाने पे तहख़ाना।

दिलों के बीच की दूरी, को जो महसूस करवा दे,
जहां में बन नहीं पाया, है अब तक कोई पैमाना।

मुसीबत में कभी भी, दूसरों के काम आने पर,
लिया करते नहीं बदले में, उन लोगों से नज़राना।

हवा का रुख़ बदलने का, ज़िगर रखते हैं जो ’नवरंग’
ज़माना चाव से पढ़ता, है उन लोगों का अफ़साना।

माणिक विश्वकर्मा ’नवरंग’
मो. 9424141875

जीतो लेडीज वी-कनेक्ट में सोशल मीडिया व वित्तीय योजनाओं पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो चैप्टर नॉर्थ के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा आयोजित जीतो बिज़नेस नेटवर्क रेफ़रल मीट वी कनेक्ट में मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रशिक्षण सोशल मीडिया प्रशिक्षक इन्फ्लुएंसर सुष्मिता सेठिया ने कहा कि एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। लोगों से एक बार में एक हजार शब्दों से बेहतर बात करने का सबसे आसान तरीक़ा है इंस्टाग्राम। यह मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म में सबसे ज़्यादा निजी है।

यह किसी ब्रांड से ज़्यादा अंतरंग स्तर पर जुड़ने की पूरी क्षमता रखता है। मार्केटिंग के मामले में इस ऐप की पेशकश से सभी उम्र के लोग और ब्रांड लाभ उठा सकते है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट फ़ोन के ज़रिए अपना कंटेंट क्रियेट कर ख़ुद के ब्रांड को लोगों तक आसानी से पहुँचाया जा सकता है। सही जानकारी लोगों तक पहुँचने का ज़रिया बनती है बिज़नेस को बढ़ावा मिलता है। पीपीटी के ज़रिए सही तरीक़े से प्रस्तुत करने के टिप बताये।

एलआईसी से जुड़ी पवन ओस्तवाल ने फाइनेंशियल सुरक्षा पर पीपीटी के माध्यम से बताया कि जीवन बीमा को एक महिला की समग्र वित्तीय योजना में एक रणनीतिक उपकरण के रूप में कैसे उपयोग किया जाये। विशिष्ट वित्तीय स्थितियों और धन सृजन और संरक्षण के लक्ष्यों के आधार पर सावधि और स्थायी जीवन बीमा पॉलिसियों के बीच संतुलन कैसे बना सकती हैं।महिलाओं की बीमा और निवेश आवश्यकताओं की सुरक्षा के लिए क्या निहितार्थ और कानूनी सुरक्षा उपलब्ध है। जेबीएन सदस्यों को 30 सेकंड अपने-अपने व्यवसाय के बारे में साझा करने का अवसर मिला। विशिष्ट प्रस्तुति में मधु जैन व कारोबार में मीना जैन को पुरस्कृत किया गया। जीतो लेडीज विंग नॉर्थ अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमुथा, कार्यसमिति सदस्य मीना बडेरा, जेबीएन पूर्व मंत्री तनुजा मेहता पूर्व उपाध्यक्ष भाविका कोठारी उपस्थित थे। अध्यक्ष सुमन रांका की अध्यक्षता में आयोजित इस रेफ़रल मीट में उन्होंने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष पिंकी मेहता ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। सचिव सीमा शाह ने धन्यवाद दिया।

विजय दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चामराजपेट स्थित शारदा महिला समाज विद्या संस्थान में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने वीर शहीदों के बलिदान को याद कर बच्चों को कारगिल विजय दिवस की यशोगाथा के बारे में बताया एवं विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित की।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com